वर्ष : 17 अंक: 50 आगरा ● मंगलवार 03 जून 2025 ● पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रु.

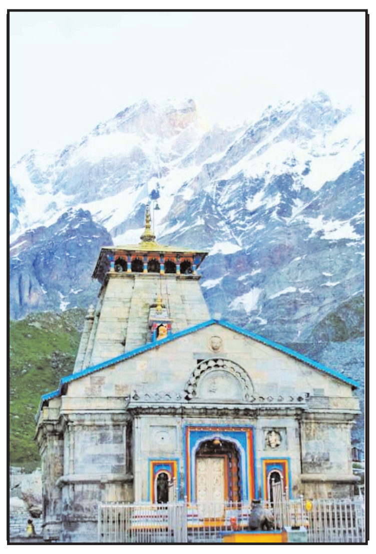

उत्तरप्रदेश,मध्यप्रदेश,छत्तीसगढ़,नई दिल्ली व राजस्थान से एक साथ प्रकाशित

सांध्य पहल

उत्तरप्रदेश में सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला हिन्दी दैनिक

आज का तापमान
अधिकतम 31 डिग्री
न्यूनतम 24 डिग्री

पीएम मोदी ने पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस से मुलाकात की

पीएम मोदी ने कहा: भारत और पैराग्वे ग्लोबल साउथ का अभिन्न अंग

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस से मुलाकात की. इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और पैराग्वे कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं. साइबर अपराध, संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी जैसी आम चुनौतियों से लड़ने के लिए सहयोग की अपार संभावनाएं हैं।

पीएम मोदी ने कहा, भारत और पैराग्वे ग्लोबल साउथ का अभिन्न अंग हैं. हमारी आशाएं, आकांक्षाएं और चुनौतियां समान हैं, इसलिए हम एक-दूसरे के अनुभवों से सीखकर इन चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपट सकते हैं. हमें संतोष है कि कोविड महामारी के दौरान हम भारत में बनी वैक्सीन को पैराग्वे के लोगों के साथ साझा कर पाए।

इससे पहले उन्होंने राष्ट्रपति पालासिओस ने राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की. यह यात्रा उनकी तीन दिवसीय भारत यात्रा का हिस्सा है, जो 4 जून को समाप्त होगी।

विदेश मंत्रालय ने एक्स पर इस पल को साझा करते हुए कहा, शांति और अहिंसा के मूल्यों का सम्मान करते हुए. पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस ने आज राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी. राष्ट्रपति पालासिओस भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे और पालम एयरफोर्स स्टेशन पर गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उनका औपचारिक स्वागत किया गया।राष्ट्रपति का राज्य मंत्री हर्षवर्धन मल्होत्रा ने गर्मजोशी से स्वागत किया, जिससे दोनों देशों के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों पर प्रकाश डाला गया. विदेश मंत्रालय के रणधीर जैसवाल ने एक ताजा जानकारी देते हुए बताया कि पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस का भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचने पर स्वागत किया।

चुनाव आयोग ने तमिलनाडु और असम की आठ राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव की अधिसूचना जारी की

नई दिल्ली,ए.। भारत के चुनाव आयोग ने सोमवार को तमिलनाडु और असम की आठ राज्यसभा सीटों के लिए आगामी चुनावों की अधिसूचना जारी कर दी. अधिसूचना जारी होने के बाद तमिलनाडु और असम से उच्च सदन की इन आठ सीटों के लिए नामांकन दाखिल करना शुरू हो गया.राज्यसभा की आठ सीटों में से छह तमिलनाडु और दो असम से हैं. भारत के चुनाव आयोग ने राज्यसभा की इन सीटों के लिए चुनाव की घोषणा की है क्योंकि मौजूदा सदस्य इसी महीने और जुलाई में रिटायर हो जाएंगे. असम में 14 जून को रंजन दास और बीरेंद्र प्रसाद वैश्य राज्यसभा सांसद के तौर पर रिटायर होंगे. तमिलनाडु में अंबुमणि रामदास, एम षणमुगम, एन चंद्रशेखरन, एम मोहम्मद अब्दुल्ला, पी विल्सन और वाइको 24 जुलाई को रिटायर होंगे।

यूपी: नए डीजीपी का एलान, पुलिस में जल्द होंगी 20 हजार नई भर्तियां

लखनऊ,एजेंसी। डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि पुलिस फोर्स को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में दक्ष बनाया जाएगा। जल्द शुरू होने वाली 60244 सिपाहियों की ट्रेनिंग में एआई को शामिल किया जाएगा, ताकि वे नई चुनौतियों से निपट सकें। महिलाओं को सुरक्षा और संरक्षा देकर उन्हें सशक्त बनाने का पूरा प्रयास होगा। वे सोमवार को पुलिस मुख्यालय में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश की जनसुनवाई प्रणाली (आईजीआरएस) को देश में सबसे अच्छा बताते हुए कहा कि इसका बेहतर उपयोग सुनिश्चित कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। बीते 8 साल में पुलिस की दिशा और दशा सराहनीय रही है। अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करते हुए आम नागरिकों को सुरक्षित माहौल देना मेरी प्राथमिकता रहेगी। महिला अपराध की रोकथाम के साथ समाधान पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। हर कीमत पर कानून के राज को बनाए रखा जाएगा। कहा, कोरोना महामारी के बाद साइबर क्राइम बड़ा खतरा बनकर उभरा है। इसके मामले तेजी से बढ़े हैं। इस पर प्रभावी लगाम लगाई जाएगी।

IPL फाइनल आज, क्लोजिंग सेरेमनी की थीम ऑपरेशन सिंदूर: स्टेडियम की क्षमता 1.32 लाख, 80 हजार टिकट ऑनलाइन बिकीं; फ्लाइट्स का किराया 25 हजार पहुंचा

अहमदाबाद,ए.।

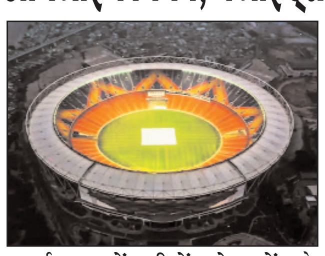

ढ्ढक्क का फाइनल मंगलवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। फाइनल की क्लोजिंग सेरेमनी की थीम ऑपरेशन सिंदूर होगी। कार्यक्रम में तीनों सेनाओं के प्रमुखों को इनवाइट किया गया है। हालांकि, अब तक इनके ऑफिस से सेरेमनी शामिल होने की पुष्टि नहीं हुई है। पूरे स्टेडियम को तिरंगे रंग की लाइट से सजाया जाएगा और इस दौरान सिंगर शंकर महादेवन का लाइव कॉन्सर्ट होगा। उधर, सोमवार को दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई और चंडीगढ़ से अहमदाबाद आने वाली फ्लाइट्स का किराया 25 हजार तक पहुंच गया है। सामान्य दिनों में यह किराया 3500 से 5000 तक रहता है। इसी तरह, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 80 हजार टिकट बिक चुके हैं। अहमदाबाद स्टेडियम में दर्शकों की क्षमता 1.32 लाख है। 25,000 सीटें रिजर्व रखी गई हैं

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बना लूट का अड्डा

डी ई ओ के संरक्षण में चल रहा वसूली: विधायक पंकज उपाध्याय

मुरैना,कांस। विधायक पंकज उपाध्याय ने मुरैना जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय शिक्षा के कार्य को छोड़कर सारे कार्य कर रहा है लगातार शिक्षकों की पलकों की आमजन की शिकायतें मिल रही है कि जिला शिक्षा कार्यालय व्यापक भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है विधायक ने आरोप लगाते हुए कहा कि कई कर्मचारी नेताओं एवं शिक्षकों ने मुझे जाकर बताया कि कर्मचारियों को अगर जी पी एफ से अपनी जरूरत पर जैसे लड़की की शादी हो या घर में कोई बीमार होने पर पैसे निकालने हो तो डीईओ ऑफिस में बिना रिश्वत दिए नहीं निकाला जा सकता है। अभी शिक्षको की क्रमोन्नति लग रही है जिसमें किसी भी शिक्षक की क्रमोन्नति डी ई ओ ओफिस में बिना रिश्वत दिए नहीं लगी है। शिक्षको के सेवानिवृत्त होने पर उनके वाजिब हक विना रिश्वत दिए प्राप्त नहीं किए जा सकते हैं।

किसी भी कर्मचारी का पेंशन प्रकरण डी ई ओ ओफिस में बिना रिश्वत दिए हल नहीं होता है। अनुकंपा नियुक्ति की खुली रेट है 50000 साथ ही प्राइवेट स्कूलों की अनुमति पर प्रत्येक स्कूल से 15 से 20000 की वसूली अनुमति देने के लिए ली जा रही है।

भारत बना दुनिया का सबसे बड़ा लोकोमोटिव निर्माता, रेल कार्गो में दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली,एजेंसी। 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारतीय रेलवे अपने प्रयासों को तेज कर रहा है. नेशनल ट्रांसपोर्टर कई मोर्चों पर आगे बढ़ रहा है. इनमें रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास और नई ट्रेनें शुरू करने से लेकर बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, नई लाइन निर्माण और दोहरीकरण परियोजनाओं के माध्यम से रेल नेटवर्क का विस्तार करना शामिल है। इसके अलावा रेल मंत्रालय भारत को दुनिया के अग्रणी रेलवे निर्यातकों में स्थान दिलाने के लिए मिशन मोड में काम कर रहा है. इस बीच भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकोमोटिव निर्माता बनकर उभरा है. 30 मई को सीआईआई के एक इवेंट में बोलते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि देश ने पिछले साल 1,600 लोकोमोटिव का प्रोडक्शन किया - जो वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक उत्पादन का आंकड़ा है। इस संबंध में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, हम पिछले साल 1600 लोकोमोटिव का उत्पादन करके दुनिया के सबसे बड़े लोकोमोटिव निर्माता बन गए हैं, जो अमेरिका, यूरोप और जापान के संयुक्त उत्पादन से भी अधिक है. हम दुनिया के सबसे आधुनिक लोकोमोटिव का उत्पादन करने के लिए नई तकनीकें भी ला रहे हैं. भारत अब रेलवे कार्गो-वहन क्षमता में विश्व स्तर पर दूसरे स्थान पर है. माल ढुलाई दक्षता को और बढ़ाने के लिए, देश सक्रिय रूप से अपने समर्पित माल गलियारों का विकास कर रहा है, जिसका उद्देश्य यात्री ट्रेन संचालन को प्रभावित किए बिना माल गाड़ियों की सुचारू, निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करना है। रेल मंत्री ने कहा, हमने पिछले 10 साल में प्रमुख मील के पत्थर हासिल किए हैं और अब 1,612 मीट्रिक टन माल ढुलाई क्षमता के साथ रूस और अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा माल ढुलाई रेलवे है. उन्होंने यह भी कहा कि इससे सड़कों पर दबाव और सीओ2 उत्सर्जन में 95 प्रतिशत की कमी आती है और तेल आयात में बचत होती है। राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर ने अगले तीन वर्षों में सभी पुराने कोचों को नए कोचों से बदलने का भी लक्ष्य रखा है. वैष्णव ने कहा, पिछले 10 साल में हमने 41,000 एलएचबी कोच बनाए हैं और अगले तीन साल में हम पूरे रेल नेटवर्क में सभी पुराने कोचों को नए कोचों से बदल देंगे।

डी.सी. सागर बने मध्यप्रदेश के विशेष पुलिस महानिदेशक

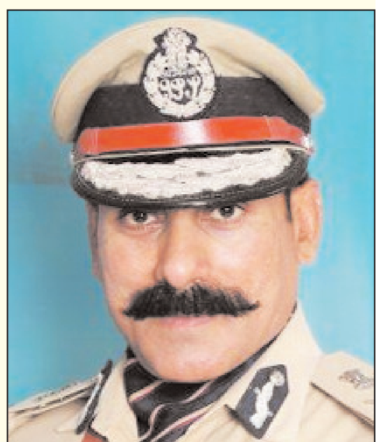

भोपाल,ब्यूरो। राज्य शासन ने एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 1992 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी श्री डी.सी. सागर को विशेष पुलिस महानिदेशक (Special DGP), प्रशिक्षण एवं मानव अधिकार, पुलिस मुख्यालय, भोपाल के पद पर पदस्थ किया है। वे वर्तमान में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, प्रशिक्षण एवं मानव अधिकार, पुलिस मुख्यालय, भोपाल के पद पर कार्यरत थे। गृह विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह नियुक्ति मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2007 के संशोधित वेतन नियमों के तहत की गई है। श्री सागर को वेतन मैट्रिक्स स्तर-16 (?205400-224400) में पदोन्नति प्रदान की गई है। यह आदेश 1 जून 2025 से प्रभावशील होगा। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को कार्यभार ग्रहण कराने तथा प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुरूप समस्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सिक्किम में मिलिट्री कैंप पर लैंडस्लाइड, 3 जवानों की मौत: 6 लापता

नई दिल्ली/इंफाल/भोपाल,ए. ।

सिक्किम में रविवार शाम 7 बजे एक मिलिट्री कैंप भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड की चपेट में आ गया। इसमें 3 जवानों की मौत हो गई, जिनके शव बरामद हुए हैं। चार लोगों को मलबे से जिंदा निकाला गया है। उन्हें मामूली चोटें आई हैं। छह जवान अभी लापता हैं। सर्च ऑपरेशन जारी है

सेना ने सोमवार को घटना की जानकारी दी और बताया कि जिन जवानों के शव मिले हैं, उनकी पहचान हवलदार लखबिंदर सिंह, लांस नायक मनीष ठाकुर और पोर्टर अभिषेक लखाड़ा के रूप में हुई है। दूसरी तरफ, सिक्किम के लाचेन और लाचुंग में 30 मई से फंसे एक हजार से ज्यादा टूरिस्टों को भी आज रेस्क्यू किया गया।

पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश-बाढ़ से अब तक 37 की जान गई

सिक्किम सहित पूर्वोत्तर के राज्यों में पिछले 4 दिनों से भारी बारिश हो रही है। बारिश के कारण बाढ़ और लैंडस्लाइड की घटनाओं में अब तक 37 लोगों की जान गई है। इसमें असम में 10, अरुणाचल प्रदेश में 9, मिजोरम में 5 और मेघालय में 6 मौतें शामिल हैं। सिक्किम में अक्टूबर, 2023 को बादल फटने के बाद तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। कम से कम 98 लोग लापता हो गए थे, जिसमें सेना के 22 जवान शामिल थे। इनका कुछ पता नहीं चल पाया था।

जेपी नड्डा सोलन में तिरंगा यात्रा में हुए शामिल

सोलन,ए.।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा आज दोपहर बाद हिमाचल प्रदेश के सोलन पहुंचे। नड्डा यहां पर मॉल रोड पर निकाली बीजेपी की तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। इसमें खूब भीड़ उमड़ी। नड्डा ने खुली जीप में सवार होकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद इंडियन आर्मी ने जिस तरह की जवाबी कार्रवाई की और शौर्य दिखाया है, उसे गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए बीजेपी ने चारों संसदीय क्षेत्रों के अलावा 17 ब्लॉक स्तर पर भी तिरंगा यात्रा निकाली है। इसी क्रम में आज सोलन में भी यह यात्रा निकाली गई। सोलन में कोर ग्रुप मीटिंग ली तिरंगा यात्रा के बाद सोलन में ही भाजपा की कोर ग्रुप की बैठक रखी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में पचमढ़ी राजभवन में 3 जून को होगी मंत्रि-परिषद की बैठक

जनजातीय गौरव और विकास कार्यों को मिलेगा नया आयाम

पराक्रमी राजा भभूत सिंह को समर्पित होगी कैबिनेट बैठक, जनजातीय शौर्य को किया जाएगा स्मरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करोड़ों के विकास कार्यों की पचमढ़ी को देंगे सौगात

33.88 करोड़ रुपये के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण और 21.39 करोड़ रुपये की 6 नई परियोजनाओं का भूमि-पूजन

भोपाल,ब्यूरो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 3 जून को पचमढ़ी स्थित राजभवन में मंत्रि-परिषद की बैठक होगी। यह ऐतिहासिक बैठक पराक्रमी राजा भभूत सिंह को समर्पित होगी। बैठक में जनजातीय विरासत, प्राकृतिक संपदा और विकास के लिये नये संकल्प किये जायेंगे। यह अवसर जनजातीय नायकों के गौरव पचमढ़ी जैसे धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय रूप से महत्वपूर्ण स्थल को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पचमढ़ी प्रवास के दौरान मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के अंतर्गत 33.88 करोड़ रुपये की लागत के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे और लगभग 20.49 करोड़ रुपये की लागत के 6 कार्यों का भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री इसके बाद पौध-रोपण भी करेंगे।

कैबिनेट बैठक विशेष रूप से गौंड शासक राजा भभूत सिंह की स्मृति को समर्पित होगी, जिन्होंने पचमढ़ी की पहाड़ियों का उपयोग अंग्रेजों से स्वतंत्रता के लिए संघर्ष, शासन संचालन, रक्षा और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए किया था।

कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर राजा भभूत सिंह के पराक्रम और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान का स्मरण करते हुए सम्मान किया जाएगा। यह कैबिनेट बैठक न केवल एक प्रशासनिक पहल है, बल्कि यह प्राकृतिक धरोहरों के सम्मान, जनजातीय इतिहास के पुनर्पाठ और स्थानीय विकास की दृष्टि से ऐतिहासिक होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का यह प्रयास 'विरासत से विकास' की राज्य शासन की नीति को मजबूत करता है।

मुख्यमंत्री करेंगे करोड़ों के विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपने पचमढ़ी प्रवास के दौरान मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के तहत लगभग 33.88 करोड़ रुपये की लागत के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे और लगभग 20.49 करोड़ रुपये की लागत के 6 कार्यों का भूमि-पूजन करेंगे। इन कार्यों में जयस्तंभ क्षेत्र के मार्गों का सौंदर्यीकरण, धूपगढ़ पर जल आपूर्ति हेतु पाइपलाइन एवं पंप हाउस, पचमढ़ी प्रवेश द्वार का सौंदर्यीकरण, सतपुड़ा रिट्रीट में किचन, रेस्टोरेंट और स्वीमिंग पूल का नवनीकरण और पर्यटन सेवाओं का विस्तार, जटाशंकर एवं पांडव गुफाओं पर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए पिंक टॉयलेट लाउंज का लोकार्पण, हांडी खो एवं सतपुड़ा टाइगर रिजर्व क्षेत्र में पर्यटक सुविधाओं का विकास, MICE योजना अंतर्गत कम्युनिटी सेंटर का विकास, ग्लेन व्यू में केंद्रीय नर्सरी की स्थापना और हिलटॉप बंगले को होम-स्टे में परिवर्तित करने का कार्य शामिल है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक, रामविलास शर्मा द्वारा पहल प्रिंटर्स प्लाट नं. 27 बांके सैंथिया टाउन मौजा ककुआ आगरा, उत्तरप्रदेश से मुद्रित व 192,मानस नगर शाहगंज बोदला रोड आगरा (उत्तरप्रदेश) से प्रकाशित। संपादक- रामविलास शर्मा मोबा.-9329077393
स्थानीय संपादक- संतोष शर्मा.मो.97202 02708, email-sandhyapahal@yahoo.com आर.एन.आई.पंजीयन क्रमांक UPHIN/2008/25338 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र मुरैना ही रहेगा।

जिलाधिकारी ने की हैल्पलाइन से सम्बन्धित शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा

पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों एवं उनके निस्तारण के उपरान्त शिकायतकर्ता के संन्तुष्ट फीडबैक में हुई बढोत्तरी, इसे अभी और बढाये जाने की है आवश्यकता, सजगता के साथ करें निस्तारण -जिलाधिकारी

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। जिलाधिकारी श्री अरविन्द मल्लप्पा बंगारी जी की अध्यक्षता में आईजीआरएस, तहसील दिवस, हैल्प लाइन से सम्बन्धित शिकायतों के निस्तारण के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक हुई सम्पन्न। बैठक में विभागवार, तहसीलवार, विकासखण्डवार, आईजीआरएस, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, जन सुनवाई पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों एवं उनके निस्तारण के उपरान्त शिकायतकर्ता के फीडबैक पर गम्भीरता से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों एवं उनके निस्तारण के उपरान्त शिकायतकर्ता के संन्तुष्ट फीडबैक में बढोत्तरी हुई है, जिस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि इसे अभी और बढाये जाने के आवश्यकता है तथा और सजगता के साथ निस्तारण पर कार्य किया जाये। जनशिकायत के निस्तारण में 50 प्रतिशत या उससे अधिक फीडबैक निगेटिव आने पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा असंतुष्टि जाहिर करते हुए निर्देश दिये कि सभी जनपद स्तरीय अधिकारी अपने अधीनस्तों की रिपोर्ट को गम्भीरता से पढ़ते हुए अपने स्तर से जांच कराकर उसकी आख्या सहित अपलोड किया जाए तथा निस्तारण के उपरान्त पोर्टल पर शिकायतकर्ता के फीडबैक का भी आकलन अवश्य किया जाए, साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सम्बन्धित अधिकारी शिकायत पर शिकायतकर्ता से वार्ता अवश्य करें तथा स्थलीय निरीक्षण करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी महोदय द्वारा आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले अर्न्तराष्ट्रीय योगा दिवस की तैयारियों को लेकर आयुष विभाग को निर्देश दिये कि शासनादेश के अनुसार समस्त तैयारियो पूर्व में ही पूर्ण कर ली जाये और सभी सम्बन्धित विभागों से समन्वय कर विस्तृत कार्ययोजन बना कर उस पर अमल भी किया जाये साथ ही कार्ययोजना में सम्बन्धित विभागों द्वारा किये जाने वाले कार्यां को भी अंकित किया जाये। बैठक में अपर मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती प्रतिभा सिंह, अपर नगर आयुक्त श्री शिशिर कुमार, अपर जिलाधिकारी (प्रो0) श्री प्रशान्त तिवारी, प्रशिक्षु आईएएस/संयुक्त मजिस्ट्रेट श्री शिवम कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी श्री मनीष कुमार, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी श्री नागेन्द्र सिंह, उपायुक्त एन आर एल एम श्री रामायण यादव सहित सभी उप जिलाधिकारी व तहसीलदार एवं सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

विश्व साइकिल दिवस पर विशेष

अब लोगो मे फिर से बढ रहा साइकिल का क्रेज, लोगो में बढ़ती बीमारी की बजह से साइकिल ने पकड़ी रफ्तार

मैनपुरी/भोगांव। गिरती सेहत और रेंजर साइकिलों के चलन से एक बार फिर साइकिल का ट्रेंड बढ़ने लगा है। यह बात और है कि बाइक-स्कूटी से अब साइकिल की तुलना करना शायद ही कभी मुमकिन हो सके पर लोगो की बढती बीमारियों से साइकिल ने रफ्तार पकड़ी है। एक दौर था, जब फिल्मों में अभिनेता और अभिनेत्रियों के साइकिल के कई कई सीन होते थे। यहां तक साइकिल पर कई फिल्मी गीत भी बने। उस दौर में लोग साइकिल को शान की सवारी मानते थे। आज बाइक के चलन के दौर में साइकिल जरूरत से निकलकर मात्र शौकिया साधन बनकर रह गई। बाइक आदि वाहनों के आदी हुए लोग अब फिर से सेहत संवारने को साइकलिंग की ओर लौट रहे हैं। नगर के मैनपुरी रोड पर साईकिल की दुकान किये रहीश ने बताया कि एक दौर था कि लोगो को साईकिल सवारी से एक तो लोगो की सेहत दुरूस्त रहती थी दूसरा साइकिल कर सवारी लोगो की शान हुआ करता था लेकिन बदले माहौल मे अब सब कुछ बदल कर रख दिया है।

फिटनेस के लिए साइकिलिंग बेहतर

फिटनेस ठीक रखने के लिए साइकिलिंग से बेहतर और कोई और विकल्प नहीं हो सकता है। साइकिल चलाकर पसीना बहाने वालों की भले की संख्या कम हुई हो लेकिन अभी भी लोग साइकिल चलाते नजर आते हैं। लोगों की मानें तो वह नियमित साइकिलिंग करते हैं। सुबह उठकर कोई एक घंटा तो कोई दो दो घंटा साइकिल करना नहीं भूलता है।

साइकिल की कीमत बाइक के बराबर

साधारण साइकिल से अब साइकिल स्टाइलिस्ट भी हो गई है। स्टाइलिस्ट साइकिलों की कीमत में भारी इजाफा हुआ है। स्टाइलिस्ट साइकिलों की कीमत बाइक के बराबर पहुंच गई है। स्टाइलिश साइकिल की कीमत अब 20 हजार से लेकर लाखों तक में पहुंच गई है।

100 किमी से अधिक चलाते थे साइकिल

एक समय था, जब लोग 100 किमी से भी अधिक साइकिल चला लिया करते थे। सपा नेता गोपालदास लोधी, रामौतार यादव कहते है कि पहलें जिनके घरों में साइकिल होती थी वह अमीर आदमी बताया जाता था। लोग जब साइकिल खरीदकर लाते थे तो लोग देखने आया करते थे। ससुराल हो या फिर अन्य कही जाना होता था तो लोग साइकिल से ही आया जाया करते थे।

पहले से चल रहे कोर्ट के स्टे आदेश की अवहेलना करते हुये एसडीम घिरोर व तहसील एवं लेखपाल की सहमति से अवैध रूप से कब्जा करने का आरोप

मैनपुरी। घिरोर तहसील क्षेत्र के गांव नगला महाराम, मौजा अटाहरैना में एक पुश्तैनी कृषि भूमि को लेकर विवाद ने तूल पकड़ लिया है। गाटा संख्या-1589 रकबा 0.934 हेक्टेयर भूमि के स्वामी प्रार्थी ने आरोप लगाया है कि उक्त भूमि, जो उनकी पुश्तैनी संपत्ति है और जिसमें उनका वर्षो से कब्जा व पुराना ट्यूबवेल व कोठी के साथ साथ गमा देवी का मंदिर बना हुआ है जिस पर कुछ बाहरी लोग तोड़फोड़ कर जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी ने बताया कि उनकी भूमि पर कोई सरकारी आम रास्ता नहीं है, और वह लंबे समय से बिना किसी रोकटोक के उक्त भूमि का उपयोग कर रहे हैं। उनके खेत के पास ही गाटा संख्या-1584 स्थित है, जिसमें 16 फीट का सरकारी आम रास्ता पहले से ही दर्ज है।इसके बावजूद, प्रतिवादीगण आलोक कुमार (निवासी मुरादपुर) और नीरज (निवासी नगला महाराम) पर आरोप है कि वे नाजायज रूप से उक्त भूमि पर कब्जा करना चाहते हैं। जब पीड़ित ने इसका विरोध किया, तो मामला बढ़ता गया। पीड़ित ने बताया कि इस संबंध में क्षेत्रीय लेखपाल और कानूनगो की रिपोर्ट भी उनके पक्ष में है। प्रकरण को लेकर प्रार्थी ने सिविल जज (सी.डी.) के न्यायालय में वाद संख्या-1253/24 दाखिल किया था, जिसमें माननीय न्यायालय ने प्रतिवादी पक्ष को प्रार्थी की भूमि पर किसी प्रकार का अवैध कब्जा न करने का आदेश पारित किया है। इसके बावजूद प्रतिवादी पक्ष लगातार कब्जे की कोशिश कर रहा है, जिससे गांव में कभी भी कोई बड़ी वारदात या शांति भंग की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। हालात को गंभीरता से देखते हुए माननीय न्यायालय ने धारा 151 सीपीसी के अंतर्गत प्रभारी निरीक्षक, थाना बरनाहल को निर्देशित किया है कि वे मौके पर यथास्थिति बनाए रखें और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को रोका जाए। ग्रामीणों में इस घटना को लेकर आक्रोश है और वे प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं ताकि क्षेत्र में शांति बनी रहे और किसी की भी पुश्तैनी सम्पत्ति पर अवैध कब्जा न हो सके।

योगी सरकार द्वारा आगरा में संस्कृति पार्क किया जाएगा विकसित

विविधता में एकता वाले संस्कृति पार्क में भारतीय संस्कृति के होंगे दर्शन,अयोध्या के श्री राम मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर और अमृतसर के स्वर्ण मंदिर के होंगे दर्शन, भारतीय संस्कृति और गौरव की पुनर्स्थापना में जुटी योगी सरकार

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा-02 जून । भारतीय संस्कृति और गौरव की पुनर्स्थापना में योगी सरकार जुटी हुई है। इसी कड़ी में सरकार द्वारा ताजमहल के समीप संस्कृति पार्क विकसित किया जा रहा है। ताजमहल व अन्य स्मारकों को देखने आने वाले सैलानियों को इस पार्क में विविधता में एकता वाली भारतीय संस्कृति के दर्शन होंगे। शाहजहां पार्क में करीब 20 करोड़ की लागत से बनने वाले संस्कृति पार्क में अयोध्या के श्रीराम मंदिर के अलावा काशी विश्वनाथ धाम, अमृतसर का स्वर्ण मंदिर और सोमनाथ मंदिर के भी दर्शन होंगे। आगरा विकास प्राधिकरण ने पार्क का सर्वे और लेआउट तैयार करने का काम शुरू कर दिया है। संस्कृति पार्क को उद्यान विभाग और उद्यान विभाग के मध्य मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) हो गया है। संस्कृति पार्क में पाथवे के किनारे- किनारे देश के प्रमुख मंदिरों और स्मारकों के दो दर्जन से अधिक मॉडल बनाए जाएंगे। इससे ताजमहल व अन्य स्मारक देखने आने वाले पर्यटकों को उसके नजदीक नया आकर्षण स्थल मिलेगा। अधिशासी अभियंता राकेश प्रताप ने बताया कि शाहजहां पार्क में करीब 20 करोड़ की लागत से संस्कृति पार्क विकसित किया जाना है। इस पार्क में सैलानियों भारतीय संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। पार्क में पाथवे के किनारे मंदिरों व स्मारकों के मॉडल बनाने को सर्वे करने के साथ ले-आउट प्लान बनाया जा रहा है। इस संस्कृति पार्क में केदारनाथ मंदिर, स्वर्ण मंदिर अमृतसर, काशी विश्वनाथ मंदिर, श्रीराम मंदिर अयोध्या, सारनाथ के बौद्ध मंदिर, सांची का स्तूप, राधा मोहन मंदिर, सोमनाथ मंदिर, रानी का वाव, रनकपुर जैन मंदिर, सूर्य मंदिर कोणार्क, रामेश्वरम मंदिर, हंपी का पत्थर का रथ, लेपाक्षी मंदिर, गोल्डन पैगोडा, कामाख्या मंदिर, नालंदा महाविहार, पारसनाथ मंदिर, कांगड़ा फोर्ट, नीरमहल पैलेस, लाइव ट्री ब्रिज, पलक्कड फोर्ट, दक्षिणेश्वर काली मंदिर, एलोरा का कैलाश मंदिर, लक्ष्मण मंदिर, मार्तंड सूर्य मंदिर आदि के मॉडल लगाए जा सकते हैं।।

परोंख में एक एक बूंद पानी के लिए तरस रहे ग्रामीण

आधा दर्जन से ज्यादा हैंडपंप खराब, पानी की टंकी दो साल से बद, ग्राम प्रधान ने हैंडपंप रीबोर और मरम्मत के लिए निकाले रुपए कर लिए गबन

मैनपुरी। जनपद में एक ग्राम पंचायत ऐसी भी है जहां पर ग्रामीण इस भीषण गर्मी में एक एक बूंद पानी के लिए तरस रहे है। गांव में आधा दर्जन से अधिक हैंडपंप खराब पड़े हुए है। गांव में जल जीवन मिशन के तहत बनवाई गई पानी की टंकी दो साल से बंद पड़ी है। ऐसी स्थिती में ग्रामीण पीने के पानी के लिए परेशान रहते है। हैंडपंप खराब होने के पीछे कहीं न कहीं ग्राम प्रधान भी जिम्मेदार है। ग्रामीणों का कहना है कि हैंडपंप रीबोर और मरम्मत के लिए आए रुपए को ग्राम प्रधान ने गबन कर लिया है। मैनपुरी विकास खंड की ग्राम पंचायत परोंख में ग्रामीणों की प्यास बुझाने के लिए इंडिया मार्का हैंडपंप लगे हुए है। हैंडपंप लगे होने के बाद भी ग्रामीणों की प्यास नहीं बुझ पा रहीं है। क्यो कि गांव परोंख में आधा दर्जन से अधिक हैंडपंप राजनीति का शिकार होकर खराब पड़े हुए है। यह हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़े है। किसी के द्वारा इन्हे ठीक कराने की जहमत नहीं उठाई गई। ग्रामीण अगर किसी हैंडपंप को ठीक कराने के लिए प्रधान के घर जाते है तो उन्हे दुत्कार कर भगा दिया जाता है। जो हैंडपंप खराब पड़े है इनपर प्रधानी चुनाव की रंजिश हाबी है।

पानी की टंकी कभी चलती ही नहीं

गांव परोंख में करीब तीन साल पहले जल जीवन मिशन के तहत पानी की टंकी का निर्माण कराया गया था, जिसके तहत पूरे गांव में पानी की पाइप लाइन डाली गई थी, लेकिन इस टंकी का लाभ परोंख के ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। यह टंकी पिछले दो साल से खराब पड़ी हुई है। कई बार शिकायत करने के बाद भी अधिकारियों ने इसकी तरफ ध्यान नहीं दिया।

हिटलरशाही से चल रहीं गांव की प्रधानी

ग्रामीण डॉ. अमृत सिंह चौहान बताते है कि गांव की प्रधानी हिटलरशाही से चल रहीं है। ग्राम प्रधान का मतलब शून्य हैं, जो भी फैसले लेना है वह ग्राम प्रधान के पति पृथ्वीराज चौहान को लेने होते है। जो प्रधानी कार्यकाल गुंडागर्दी से चला रहे है। प्रधानी के चुनाव के समय जो ग्रामीण दूसरे प्रत्याशी के साथ घूमता था वह ग्रामीण प्रधान के घर के सामने से भी नहीं गुजर सकता है।

क्या बोले डीपीआरओ मैनपुरी

गांव परोंख में हैंडपंप खराब होने के मामले की जानकारी नहीं हैं, बीडीओ मैनपुरी को निर्देश देकर हैंडपंपों को ठीक कराया जाएगा, पानी के टंकी को भी ठीक कराया जाएगा, टंकी के बारे में पता किया जाएगा कि आखिर क्यो बंद हो जाती है।- अवधेश सिंह, डीपीआरओ मैनपुरी।

विद्युत ट्रांसफार्मर कर रहा किसी बड़े हादसे का इंतजार, विभाग के कर्मचारी लगवा रहे शासन को लाखो का चूना

मैनपुरी/भोगांव। शासन प्रशासन विद्युत चोरी रोकने के लिये न जाने कितने प्रयास करता है और हर बर्ष करोडो रूपये इसे रोकने के लिये खर्च करता है इसके बाबजूद भी विधुत विभाग के अधिकारी एंव कर्मचारी शासन की मंशा को इस तरह पलीता लगाते है जिसका कोई जबाब नही है ऐसा ही एक उदाहरण नगर के जीटी रोड किनारे स्थित गिहार कालौनी के निकट स्थित रखे बिधुत ट्रांसफार्मर है जिसमे दर्जनो की संख्या मे लोगो ने बिधुत कटिया डालकर प्रतिदिन लाखो रूपये की विधुत चोरी की जा रही है तथा कभी भी गम्भीर हादसा होने से इन्कार नही किया जा सकता है। ज्ञात हो कि शासन एंव प्रशासन विधुत चोरी रोकने एंव विधुत हादसो को रोकनें के लिये प्रतिबर्ष करोडो रूपये खर्च करता है ताकि विधुत चोरी न हो सके और न ही कोई गम्भीर हादसा हो सके लेकिन स्थानीय विधुत विभाग के अधिकारियो एंव कर्मचारियो की घोर मनमानी एंव लापरवाही के कारण नगर के जीटी रोड के समीप चर्चित गिहार कालौनी के निकट रखे ट्रांसफार्मर पर दर्जनो की संख्या मे विधुत कर्मचारियो ने लोगो को विधुत आपूर्ति दे रखी है न तो विभाग ने किसी विधुत पोल से लोगो को कनैक्शन दिये है बल्कि विधुत ट्रांसफार्मर मे खुले तार जोड दिये है जिससे कभी भी कोई गम्भीर हादसा हो सकता है। विधुत ट्रांसफार्मर जीटी रोड पर सडक के किनारे रखा है पूरे दिन हजारो की संख्या मे बाहन सडक से होकर गुजरते है।

बिजली विभाग ने नहीं किए वचाव के इंतजाम

बिजली विभाग ने यहां पर न तो बचाव के मानक तय किये और न ही सुरक्षा के कोई इन्तजाम किये गये। चर्चा तो यह भी है कि विभाग के कर्मचारियो ने लोगो से सांठगांठ कर सैकडो लोगो को विधुत चोरी करवाकर विभाग को लाखो रूपये चूना लगवा रहे है। इस सम्बन्ध मे जब बिधुत उपखण्ड अधिकारी से बात की गई तों उन्होने यह कहकर फोन काट दिया कि बह इस सम्बन्ध मे कोई जानकारी नही दे सकते।

ट्रेड प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु 20 जून तक आवेदन करें

मैनपुरी। उपायुक्त उद्योग उत्कर्ष चन्द्र ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत पारम्परिक कारीगर यथा बढ़ई, नाई, दर्जी, लोहार, राजमिस्त्री, हलवाई आदि ट्रेडों में प्रशिक्षण एवं टूलकिट प्रदान किये जाने हेतु लक्ष्य आवंटित किया गया है, उपरोक्त ट्रेडों में प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु जनपद के इच्छुक अभ्यर्थी उद्योग निदेशालय की बेवसाइट पर दि. 20 जून तक आवेदन कर सकते हैं। उन्होने बताया कि आवेदन पत्र के साथ अभ्यर्थियों को अपनी शैक्षिक योग्यता सम्बन्धी प्रमाण पत्र यथा जाति प्रमाण पत्र, आधार नम्बर, बैंक खाता पासबुक, सम्बन्धित ट्रेड में कार्य करने सम्बध्धी ग्राम प्रधान, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत के सभासद द्वारा जारी प्रमाण पत्र, फोटो, स्कैन किये गये हस्ताक्षर एवं मोबाइल नम्बर अपलोड किये जायेंगे, आवेदन करते समय अभ्यर्थी आवेदन पत्र में अपना नाम, पता, मोबाइल नम्बर एवं खाता संख्या सही अंकित करवायें, योजनान्तर्गत अभ्यर्थियों के चयन हेतु साक्षात्कार की सूचना उनके द्वारा आवेदन पत्र में अंकित किये गये मोबाइल नम्बर पर दी जायेगी।

जमीनी रंजिश में महिला की गोली मारकर हत्या

पुलिस ने हत्यारोपी जेल भेजा, चार दिन बाद आनी थी बेटी की बरात

कुरावली/मैनपुरी। थाना क्षेत्र के गांव जखौआ में रविवार की रात्रि दो बजे करीब घर के कमरे में सो रही महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या के पीछे रिश्ते की देवरानी से जमीनी विवाद में दो माह पहले हुई मारपीट को वजह बताया गया है। पुलिस ने छह लोगों पर केस दर्ज करते हुए गोली मारने वाले मुख्य आरोपी को जेल भेज दिया है। मृतका की बेटी की सात जून को बरात आनी है। शादी वाले घर में मातम पसर गया है। थाना क्षेत्र के गांव जखौआ निवासी अरविंद सिंह ने बताया कि उनकी मां रीना देवी और बहन घर में बने कमरे में सो रही थीं। तभी रिश्ते के बाबा रुकुम सिंह, जो कि पड़ोस में ही रहते हैं। उनके बेटे मुनेंद्र की पत्नी सपना के भाई संगम निवासी तौसईया किसानन, जसरथपुर, एटा ने मां रीना देवी के सीने में गोली मारकर हत्या कर दी। फायर की आवाज सुनकर घर वाले जाग गए। मौके पर ही संगम को मय तमंचा पकड़ लिया। अरविंद के अनुसार ने दो माह पहले छह बीघा जमीन को लेकर मां रीना देवी से सपना की मारपीट की घटना हुई थी। उसने तभी एलान किया था कि भाई को बुलाकर हत्या करा देगी। आरोप है कि इसी रंजिश में रविवार को सपना ने अपने भाई संगम और उसके दो अज्ञात साथियों को रविवार अपने घर बुला लिया था। तय प्लान के अनुसार रिश्ते के बाबा रुकुम सिंह उनके बेटे मुनेंद्र, जयपाल, इंद्रजीत उर्फ मीटू और सपना ने छत के रास्ते संगम को घर में घुसाया और हत्या की वारदात को अंजाम दे डाला।

कोतवाली में बेटे ने दर्ज कराया मुकदमा

मृतका रीना देवी के बेटे अरविंद की तहरीर पर कुरावली थाने में रुकुम सिंह उनके बेटे मुनेंद्र, जयपाल, इंद्रजीत उर्फ मीटू और सपना और उसके भाई संगम पर केस दर्ज किया है। संगम को पुलिस ने गिरफ्तार जेल भेज दिया है। वहीं, अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बेटी के हाथ पीले करने से पहले उठी मां की अर्थी

मृतका रीना देवी के पति किसान महेश चंद्र ने बताया कि उनके परिवार में दो बेटे प्रदीप और अरविंद के अलावा तीसरी बेटी मुस्कान है। 30 मई को मुस्कान की शादी की गांव में दावत की थी। सात जून को बेटी की बरात आनी है। इस घटना से शादी वाले घर में मातम पसर गया है। पत्नी रीना का अरमान था कि वह इकलौती बेटी के खुशी से हाथ पीले करेगी। मगर, बेटी की शादी से पहले ही उनकी हत्यारों ने अर्थी उठा दी।

गांव में हुई जगार, दौड़ी पुलिस, पसरा मातम

इस घटना के बाद देर रात दो बजे के करीब ही गांव में चीख पुकार मच गई। सूचना पर देर रात को ही कुरावली थाना पुलिस, कुरावली सीओ सहित अन्य फोर्स मौके पर पहुंच गया। श्वान दल और एफएसएल टीम ने मौके पर जाकर साक्ष्य जुटाए। इधर, गांव में इस घटना के बाद से मातम पसरा हुआ है। दोपहर बाद शव पोस्टमार्टम के बाद गांव पहुंचा।

क्या बोले सीओ कुरावली

सीओ कुरावली सच्चिदानंद ने बताया कि केस दर्ज कर लिया है। आरोपी संगम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

संदिग्ध बोरिंग और विस्फोट से फैला संक्रमण, दो की मौत

आधा सैंकड़ा से अधिक बीमार, बोरिंग में विस्फोटक सामिग्री डालकर किया था विस्फोट, गांव पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम, कैंप लगाकर की 42 मरीजों की जांच, दवाइयां वितरित

मैनपुरी। कुरावली क्षेत्र के गांव हाफिजपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में अज्ञात लोगों द्वारा की गई बोरिंग से फैले संक्रमण से दो लोगो की मौत हो गई, इसके साथ ही आधा सैंकड़ा से अधिक ग्रामीण बीमार बतां जाते है। सूचना मिलने के बाद सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची, टीम ने गांव में शिविर लगाकर लोगो की जांच करके दबाईयों को वितरण किया। कुरावली क्षेत्र के गांव हाफिजपुर में संदिग्ध बोरिंग और विस्फोट की घटना ने पूरे गांव को दहशत फैला दी है। ग्रामीणों बताते है कि 16 मई को छह से सात अज्ञात लोग गांव में आए और खुद को कोलकाता का बताते हुए डीजल- पेट्रोल की जांच की बात कही।

इन लोगों ने ट्रैक्टर से बोरिंग मशीन लाकर खेतों में कई स्थानों पर गहरे गड्ढे किए और उनमें विस्फोटक सामग्री डालकर विस्फोट किया। विस्फोट के दौरान पानी 20 से 50 फीट ऊपर तक उछला। यह प्रक्रिया तीन से चार दिन तक जारी रही।

गांव के नलों से आने लगा बदबूदार पानी

ग्रामीण बताते है कि अज्ञात लोग कोलकाता के होने का दावा कर रहे थे, लेकिन उनके ट्रैक्टरों पर उत्तराखंड का नंबर दर्ज था। घटना के लगभग 15 दिन बाद गांव में हैंडपंप और सबमर्सिबल से गंदा और बदबूदार पानी आने लगा, जिसे पीने के बाद गांव में उल्टी, दस्त और पेट दर्द की शिकायतें बढ़ने लगीं।

संक्रमण के कारण 60 से 70 लोग बीमार

ग्रामीणों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, संक्रमण के चलते अब तक करीब 60 से 70 लोग बीमार हो चुके हैं और कई को जिला अस्पताल सहित कुरावली व मैनपुरी के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इस संक्रमण से दो लोगों की मौत भी हो चुकी है, जिनमें 26 वर्षीय मोहनलाल पुत्र रामकिशन और 5 वर्षीय बालिका निधि पुत्री सतीश शामिल हैं।

42 मरीजों का परीक्षण किया गया

सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में पहुंची और ग्रामीणों की जांच कर दवाइयों का वितरण किया। टीम ने गांव में कुल 42 मरीजों का परीक्षण किया। इस मौके पर डॉक्टर जेपी वर्मा डॉ. मुकेश, ताराचंद, सतीश, रोहित, अमित सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। क्षेत्रीय लेखपाल धर्मवीर पाल ने भी स्थिति का जायजा लिया।

दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न दोहराई जा सकें। वहीं, लोग अब भी डर और चिंता के साये में जी रहे हैं।

बोरिंग के समय ग्रामीणों ने बनाएं वीडियो

जब संदिग्ध लोग गांव में बोरिंग करने के लिए पहुंचे जब संदिग्ध लोग बोरिंग करके विस्फोट कर रहे थें, तब ग्रामीणों ने वीडियो बना लिए, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि पानी काफी ऊचाई तक उछलता था।

कार्यालय नगर पंचायत कुरावली जनपद मैनपुरी।

पत्रांक: 179 / न0पं0कुरा0 / रा0वि0आ0 / नि0सू0 / 2025–26 दिनांक: 02/06/ 2025

-: निविदा सूचना :-

समस्त फर्मो/ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 में प्राप्त धनराशि से दिनांक दिनांक 03.06.2025 प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 24.06.2025 अपराह्न 3.00 बजे तक सीलबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है। प्राप्त सभी निविदायें उसी कार्य दिवस की सायं 4.00 बजे उपस्थित ठेकेदार/फर्म अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष अधिशासी अधिकारी/अध्यक्ष नगर पंचायत कुरावली द्वारा खोली जायेगी। निविदा प्रपत्रों की बिक्री नगर पंचायत कार्यालय में दिनांक 03.06.2025 से दिनांक 24.06.2025 अपराह्न 01:00 बजे तक की जायेगी। निविदा के साथ 02 प्रतिशत धरोहर राशि अधिशासी अधिकारी के पदनाम बन्धक होगी। एफ.डी.आर. को मूलरूप में निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। बिना धरोहर राशि के कोई भी निविदा मान्य नहीं होगी। अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस में निकाय कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत कार्य की सूची।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित आगणन की धनराशि	धरोहर राशि	निविदा मूल्य
1.	एक्रूअल बेस दोहरी लेखा प्रणाली क्रियान्वयन (सम्पूर्ण कार्य पत्रावली में रखें शासनादेश के अनुसार)	1,50,000.00	3,000.00	200.00

निविदाओं की शर्तेः-

1– किसी भी निविदा/समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी नगर पंचायत कुरावली में निहित होगा।

2– खुली व सशर्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जायेगा।

3– उक्त निविदाओं में एकल निविदा मान्य नहीं होगी।

4– विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय नगर पंचायत कुरावली में की जा सकती है।

5– आपराधिक रिकार्ड वाले निविदादाता को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी।

6– कोई भी निविदादाता जो स्टेट बार कौंसिल में पंजीकृत है, वह निविदा प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकते।

संदीप कुमार
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत कुरावली

धर्मेन्द्र वर्मा
(अध्यक्ष)
नगर पंचायत कुरावली

निष्कासन के बाद भी आदतन अपराधी हिन्दू महासभा के नाम पर करते थे वसूली: सरगना संजय जाट सहित 9 पर गैंगस्टर की कार्रवाई

हिंदुत्ववादी का चोला ओढ कर् दहशत फैलाने वाली एक गैंग का आगरा पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस गैंग के सरगना संजय जाट, जितेंद कुशवाह और अन्य साथियों पर जिले के विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी जमानत लेकर जेल से रिहा होने के बाद शहर में आतंक फैलाकर आर्थिक लाभ कमाते हैं। थाना प्रभारी एत्माद्दौला देवेंद्र दुबे ने अपने ही थाने में 9 लोगों पर गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा लिखाया है।

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। हिंदुत्ववादियों का चोला ओढकर् समाज में आतंक फैलाने वाले एक गैंग का आगरा पुलिस ने पर्दाफाश किया है। गैंग के सदस्य मंदिरों में गाय का मांस फेंककर समुदाय विशेष में भय पैदा करते थे, इसके बाद कार्रवाई का डर दिखाकर उनसे वसूली करते थे। इसके अलावा कई ऐसे प्रकरण हैं जो अलग-अलग थानों में दर्ज हैं। इंस्पेक्टर एत्माद्वौला देवेंद्र दुबे ने अपने ही थाने में सरगना संजय जाट सहित 9 अपराधियों पर गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा लिखाया है। जल्द ही मुकदमे में नामजद आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा जाएगा। मुकदमे से अखिल भारत हिंदू महासभा के पूर्व पदाधिकारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। गैंग का प्रमुख सदस्य जितेंद्र कुशवाह और सरगना संजय जाट है। थाना एत्माद्दौला प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र दुबे ने बताया कि गढ़ी चांदनी यमुनापार क्षेत्र में रहने वाला जितेंद्र कुशवाह अपराधी किस्म का शातिर बदमाश है। उसने साल 2023 में थाना एत्मादुद्दौला क्षेत्र के एक मंदिर में नवरात्रों के दौरान गाय का मांस फेंककर दहशत फैलाई थी। जिसका सीसीटीवी फुटेज से खुलासा हुआ था। इस मामले में जितेंद्र के साथ सरगना संजय जाट निवासी मुस्तफा क्वाटर्स थाना सदर बाजार के अलावा ब्रजेश भदौरिया निवासी देवरी रोड थाना सदर, सौरभ शर्मा निवासी अलबतिया थाना जगदीशपुरा, शानू कुरैशी निवासी सैयदपाड़ा थाना लोहामंडी, इमरान कुरैशी आलमगंज थाना लोहामंडी, शहनवाज निवासी अलबतिया रोड थाना जगदीशपुरा, नदीम निवासी सैयदपाड़ा लोहामंडी और शानू निवासी मुरली नगर लोहामंडी के खिलाफ कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज हुआ था। ये सभी बदमाश सुनियोजित तरीके से गैंग बनाकर समाज में भय पैदा करते हैं। इसके बाद लोगों से मोटी रकम की वसूली करते हैं।

ताजमहल के नाम पर विरोध प्रदर्शन

गैंग में शामिल मुख्य सरगना संजय जाट, ब्रजेश भदौरिया, सौरभ शर्मा और जितेंद्र कुशवाह प्रशासन को भ्रमित करते हुए अखिल भारत हिंदू महासभा के सदस्य बताते हैं। संजय जाट अपने आप को राष्ट्रीय प्रवक्ता बताता है। ये लोग मीडिया में अपना नाम छपने के लिए ताजमहल को तेजोमहालय बताकर विरोध प्रदर्शन करते हैं। कई बार ऐसे प्रकरणों में गैंग के सदस्य हाइलाइट हो चुके हैं। हिंदुत्ववादी की छवि बनाकर शातिर लोग ऐसे गौकशों से कनेक्शन रखते हैं जो लोग मीट का कारोबार करते हैं। उनपर दवाब बनाकर उनसे वसूली करते हैं। कई मामलों में वसूली करते पकड़े भी गए हैं।

चर्चित है संजय जाट

संजय जाट के बारे में कई चर्चित मामले सामने आ चुके हैं। नाम ना छापने की शर्त पर संजय जाट के एक परिचित ने बताया कि संजय जाट की पिता मौत के बाद बैंक में नौकरी लगी थी, लेकिन राजनैतिक रसूख के चलते वह नौकरी पर नहीं जाता है। जबकि बैंक से तनख्वाह पाता है। इसके अलावा कई मामलों में वह जेल से जमानत पर बाहर चल रहा है। ऐसे ही इसके साथी सौरभ शर्मा, ब्रजेश भदौरिया आदि भी मामलों वांछित हैं।

शराब के ठेके से वूसली में गया था जेल

1 अप्रैल 2025 में थाना एत्माद्दौला में शराब दुकानों को बंद कराने के लिए संजय जाट, जितेंद्र कुशवाह ने दो महिलाओं समेत अन्य लोगों के साथ विरोध प्रदर्शन किया था। इसके बाद संजय जाट और उसकी महिला सदस्यों ने दुकानदार से एक लाख रुपये की चौथ मांगी थी। दुकानदार ने 50 हजार रुपये दे दिए, लेकिन इसके बाद फिर से 1 लाख की मांग की गई। इस पर मुकदमा दर्ज होने के बाद 5 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इस मामले में भी जमानत पर रिहा होकर आए हैं। इनमें एक दो दिन बाद फिर से वसूली के मामले में थाना शाहगंज में नामजद हो गया था।

मुकदमे में इन्हें किया नामजद

जितेंद्र कुशवाह (गढ़ी चांदनी), संजय सिंह जाट (नगला काछियान, सदर), बृजेश भदौरिया, सौरभ शर्मा, शानू उर्फ इल्ली, इमरान कुरैशी, शान उर्फ शाहनवाज, नदीम उर्फ झल्लू, शानू को नामजद किया गया है। इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार दुबे ने बताया कि गैंग में दोनों समाज के लोग शामिल हैं। गोकशी के आरोप लगाकर अवैध वसूली भी की जाती थी। संगठन की आड़ में विरोध प्रदर्शन करके माहौल खराब किया जाता था। रंगदारी मांगी जाती थी। गैंगस्टर के मुकदमे से पहले विधिक राय ली गई थी। गोकशी की साजिश वाला मुकदमा सबसे गँभीर था। उससे शहर की फिजा बिगड़ सकती थी। नवरात्र के समय साजिश रची गई थी। पुलिस सूझबूझ से माहौल गर्माने से बचा था।

आगरा रेल मंडल के भूतेश्वर-वृंदावन रोड सेक्शन में तीसरी और चौथी लाइन पर 07.44 किलोमीटर की दूरी पर स्वचालित सिग्नलिंग सफलतापूर्वक चालू की गई

यह कमीशनिंग रेलवे अवसंरचना के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। मंडल रेल प्रबंधक आगरा श्री तेज प्रकाश अग्रवाल के मार्गदर्शन में आगरा मंडल के भूतेश्वर- वृंदावन रोड सेक्शन में तीसरी और चौथी लाइन पर 07.44 किलोमीटर की दूरी पर स्वचालित सिग्नलिंग सफलतापूर्वक चालू की गई है। यह कमीशनिंग रेलवे अवसंरचना के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है ढ्आगरा मंडल ने उक्त कमीशनिंग का कार्य संपन्न कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि मंडल के मैंन लाइन की संचालन क्षमता, संरक्षा,सुरक्षा और उन्नत संचार प्रणाली को मजबूत करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

प्रमुख उपलब्धियां:-

नए रिले हट एलएससी-3 ए का निर्माण, वृंदावन रोड स्टेशन पर नई ए केबिन, वृंदावन रोड स्टेशन पर नई बी केबिन का निर्माण

ए में हिताची एमएलके-II सिस्टम की स्थापना,

भूतेश्वर सेंट्रल केबिन, भूतेश्वर बी केबिन, वृंदावन रोड सेंट्रल केबिन, वृंदावन रोड ए केबिन, वृंदावन रोड बी केबिन में एमएलकेआईआई ईआई में बड़े बदलाव किए गए।

ऑटो सेक्शन में 34 डीपी और 30 ट्रैक सेक्शन की स्थापना के साथ मेसर्स फ्राउशर मेक एमएसडीएसी की कमीशनिंग।

मेसर्स एल्डीन मेक के मौजूदा यार्ड एमएसडीएसी के वीडीयू रीसेटिंग के संबंध में प्रमुख ईआई परिवर्तन।

एलएससी 3ए, वृंदावन रोड नए ए केबिन और वृंदावन रोड नए बी केबिन में फायर अलार्म सिस्टम लगाया गया है।

एलएससी-3 ए में नए एकीकृत बिजली आपूर्ति (आईपीएस) सिस्टम की स्थापना।

रिले हट एलएससी 3ए में एफ़ट्रॉनिक्स मेक डेटालॉगर स्थापित किया गया।

एलएससी 3ए, वृंदावन रोड नए ए केबिन और वृंदावन रोड नए बी केबिन में आरडीएसओ विनिर्देश और नवीनतम टीएएन के अनुसार रिंग अर्थिंग, पेरीमेट्रिक अर्थिंग, क्लास-ए प्रोटेक्शन व्यवस्था की गई है।

यह महत्वपूर्ण कार्य परिचालन एवं सिग्नल एवं टेलिकॉम व इंजीनियर, प्रोजेक्ट विभाग के अधिकारी, पर्यवेक्षकों व कर्मचारियों के अहम् योगदान से संपन्न हुआ है।

शिक्षक के घर से 90 हजार उड़ाने वाले दो और आरोपी गिरफ्तार

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। खेरागढ़ बीते 29 अप्रैल को खेरागढ़ कस्बे के ऊंट गिरी रोड पर एक शिक्षक के घर से दिनदहाड़े 90 हजार रुपये की चोरी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस वारदात में शामिल दो फरार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है।

कैसे पकड़े गए आरोपी

थानाध्यक्ष मदन सिंह ने बताया कि शनिवार को गश्त के दौरान पुलिस टीम ने कागारोल रोड पर भीलावली मोड़ के पास से दो संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा. पूछताछ में उनकी पहचान लाला, निवासी गुतिला, फतेहाबाद और धर्मपाल, निवासी ऊंटगिरी, खेरागढ़ के रूप में हुई. ये दोनों वही व्यक्ति हैं जो 29 अप्रैल को हुई चोरी की वारदात में शामिल थे और तभी से फरार चल रहे थे।

पहले भी हो चुकी है गिरफ्तारी

उन्होंने बताया कि इस चोरी की घटना में शामिल एक अन्य अभियुक्त, रूपकिशोर, को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी. अब लाला और धर्मपाल की गिरफ्तारी के साथ, इस मामले में पुलिस ने सभी मुख्य आरोपियों को पकड़ लिया है। पुलिस ने दोनों गिरफ्तार अभियुक्तों को जेल भेज दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस गिरफ्तारी से कस्बे में हुई चोरी की वारदात का खुलासा हो गया है और पुलिस की सक्रियता पर स्थानीय लोगों ने संतोष व्यक्त किया है।

पुलिस ने 494 किलो गांजा पकड़ा : तीन करोड़ रुपए कीमत, अंतरराज्यीय गैंग के तीन सदस्य पकड़े, ट्रक में छिपाकर लाते थे

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। पुलिस ने गांजे की तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 494 किलो गांजा बरामद किया गया है। ये ट्रक में ड्राइवर केबिन के पीछे गुप्त बॉक्स में गांजा छिपाकर लाते थे। पुलिस ने तीनों तस्करों को जेल भेज दिया है। डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि सिकंदरा थाना क्षेत्र में हीरा लाल की प्याऊ के पास चेकिंग के दौरान तीन संदिग्ध मिले। इसमें अफसार, प्रसन्नजीत और धर्मपाल उर्फ धर्मा को पुलिस ने पकड़ा। इसमें मोहम्मद अफसार ने बताया कि वो अपने साथी अनिल शर्मा के साथ मिलकर दो साल से गांजे की तस्करी कर रहा है। वो उड़ीसा और आंधप्रदेश से दिलीप नाम के व्यक्ति से तीन हजार रुपए प्रति किलो के हिसाब से गांजा खरीदकर लाता है। इसके बाद अभियुक्त अंजुम और जाकिर निवासी लोनी को 10 से 15 हजार रुपए किलो के हिसाब से बेच देते हैं। धर्मपाल ने बताया कि वो अनिल के गांव पिनाहट का रहने वाला है। गांजा लाने ले जाने के लिए वाहन उपलब्ध कराता था। डीसीपी ने बताया कि इनके पास से एक ट्रक भी बरामद हुआ। इसमें केबिन के पीछे एक बॉक्स बना था। इसमें गांजा छिपाया हुआ था। पकड़े गए गांजे की कीमत करीब तीन करोड़ रुपए आंकी गई है।सोमवार को आगरा पुलिस ने गांजा तस्करी का बड़ा पर्दाफाश किया है। उड़ीसा से ट्रक द्वारा 494 किलो गांजा आगरा और आसपास के जिलों व राज्यों में सप्लाई के लिए लाया जा रहा था। यह गांजा चालक की सीट के नीचे छुपा हुआ था. पुलिस ने थाना सिकंदरा के हीरालाल की प्याऊ से ट्रक को पकड़ा है और गांजा बरामद किया है। इस बरामद गांजे की कीमत करीब तीन करोड़ रुपये बताई गई है।

सर्विलासं, एसओजी और थाना पुलिस ने पकड़ा

पुलिस के अनुसार अवैध मादक पदार्थ गांजा की विभिन्न राज्यों में तस्करी एवं खरीद फरोख्त करने वाले गैंग का पर्दाफाश किया गया है. एसओसी सर्विलांस और थाना सिकंदरा पुलिस ने हीरालाल की प्याऊ के पास से एक ट्रक को रोका. ट्रक को चेक किया गया तो चालक की सीट के नीचे से 494 किलो गांजा मिला. पुलिस ने गैंग के तीन

सदस्यों को अरेस्ट किया है जबकि छह सदस्य अभी भी फरार हैं। पुलिस ने 494.35 किलो गांजा के अलावा एक कैंटर वाहन, सात मोबाइल फोन, चार आधार कार्ड, तीन पैन कार्ड और एक कार भी गैंग से बरामद किए हैं।

उड़ीसा और आंध्र से खरीदते थे

पुलिस पूछताछ में एक तस्कर मो. अफसार ने बताया कि वह अपने साथी अनिल शर्मा के साथ मिलकर करीब दो वर्ष से गांजा तस्करी का काम कर रहे हैं. उड़ीसा और आंध्र प्रदेश से दिलीप नाम के व्यक्ति से 3 हजार रुपये प्रति किलो के हिसाब से गांजा खरीद कर लाते हैं और अंजुम व जाकिर निवासी लोनी को 10 से 15 हजार रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिक्री कर देता है. अभियुक्त धर्मपाल उर्फ धर्मा ने बताया कि वह अनिल शर्मा निवासी पिनाहट के पास का रहने वाला है और अनिल के कहने पर गांजे को लाने व ले जाने के लिए वाहन एवं लेबर उपलब्ध कराता है. यह गांजा आगरा व मथुरा में बेचने का काम कर रहे हैं।

पकड़े गए तस्करों के नाम

मोहम्मद अफसार पुत्र मोहम्मद जरीफ अहमद निवासी मोहल्ला कुरैशियान ग्राम पंचायत सैद नगरी थाना सैदनगली तहसील हसनपुर जिला अमरोहा हाल निवासी रेल बिहार सदुल्ला बाग लोनी देहात थाना लोनी जिला गाजियाबाद

धर्मा उर्फ धर्मपाल पुत्र चौब सिंह निवासी खटीक टूला थाना पिनाहट प्रसन्नजीत मित्र पुत्र रमेश मित्र निवासी बतला स्टेशन रोड थाना बनगांव जिला नार्थ 24 परगना राज्य (पश्चिम बंगाल)है।

अब इनकी तलाश में पुलिस

राहुल निवासी बकरावुल थाना पिनाहट

रंनजय पुत्र माता प्रसाद निवासी हीजडा वाली गली थाना पिनाहट अनिल शर्मा निवासी कस्बा पिनाहट अंजु निवासी लोनी थाना लोनी गाजियाबाद जाकिर निवासी लोनी थाना लोनी गाजियाबाद दिलीप निवासी राजमंदिर आंध्रप्रदेश की तलाश जारी हैं।

तस्करी नेटवर्क का विस्तार

डीसीपी सोनम कुमार ने बताया कि पुलिस तस्करी गिरोह के अन्य छह फरार सदस्यों की तलाश कर रही है, जिनमें पिनाहट निवासी राहुल और रनजय शामिल हैं। इस कार्रवाई अपर पुलिस उपायुक्त नगर/लाइन्स आदित्य कुमार के निर्देशन पर एसीपी हरीपर्वत विनायक भोसले के नेतृत्व में इंस्पेक्टर नीरज शर्मा, एसओजी और सर्विलांस टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

रकाबगंज पुलिस के हत्थे चढे 14 जुआरी: बंद मकान में चल रहा था तास के पत्तों पर पैसे लगाने का खेल, पुलिस ने भेजा जेल

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। हार जीत की बाजी लगाकर संगठित रूप से सट्टे की खाई बाड़ी करने वाले 14 अभियुक्तों को थाना रकाबगंज पुलिस टीम द्वारा किया गिरफ्तार। पुलिस आयुक्त,आगरा दीपक कुमार के निर्देशन व पुलिस उपायुक्त, नगर सोनम कुमार के पर्यवेक्षण में अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाने के दृष्टिगत पुलिस बल द्वारा अपने अपने क्षेत्र में बैरियर लगाकर लगातार संदिग्ध व्यक्ति/वाहन की चेकिंग एवं गस्त की जा रही है। इसी क्रम में 01./02. जून की रात्रि को थाना रकाबगंज पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्रांतर्गत गश्त/चैकिंग की जा रही थी, इसी दौरान मुखबिर द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर हार जीत की बाजी लगाकर संगठित रूप से सट्टे की खाई बाडी करने वाले 14 अभियुक्तों को एसआर गली में स्थित एक मकान से गिरफ्तार कर लिया गया । गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से रूपया 53,980/ , 10 मोबाइल फोन, 53 सट्टा पर्ची व 04 पेन बरामद हुये।पकड़े गए आरोपियों के विरुद्ध पुलिस ने धारा 3/4 जुआ अधिनियम व धारा 112 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर सभी को जेल भेज दिया।

पकड़े गए जुआरियों की पहचान

01. उदय प्रताप तोमर पुत्र रामनिवास तोमर निवासी राणा प्रताप कालोनी थाना सदर बाजार, आगरा।

02. चन्द्र प्रकाश पुत्र खरग सिंह निवासीनामनेर थाना सदर बाजार, आगरा

03. योगेन्द्र सिंह पुत्र महावीर सिंह निवासी नेताजी नगर नामनेर थाना रकाबगंज, आगरा।

04. सोनू शर्मा पुत्र पवन शर्मा निवासी नामनेर थाना सदर बाजार, आगरा।

05. रामू पत्र चन्द्रपाल निवासी लोहारों की बगीची थाना रकाबंगज, आगरा।

06. योगेश पुत्र रामबाबू निवासीकुतलुपुर ईदगाह थाना रकाबगंज, आगरा।

07. नितिन पुत्र गोकुल चन्द निवासी ईदगाह कटघर थाना रकाबगंज, आगरा।

08. शैलेन्द्र सिंह पुत्र गणेश सिंह हाल निवासी सदर बाजार, निर्मल बेकरी 7

09. शब्बीर पुत्र तफीम निवासी सदर बाजार, आगरा।

10. डेनियल पुत्र आनंद निवासी ईदगाह कटघर थाना रकाबगंज, आगरा 7

11. साहिल पुत्र मौ0 अन्सार निवासी ईदगाह कटघर नई आबादी, आगरा।

12. गब्बर पुत्र संतोष निवासी ईदगाह कुतलुपुर, आगरा।

13. अशोक कुमार पुत्र स्व0 राजू निवासी आर0पी कालोनी थाना सदर बाजार, आगरा ।

14. शहंशाह पुत्र अन्सार निवासी कुम्हारो की बगीची थाना रकाबगंज, आगरा शामिल है।

जुआरियों पर कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में शामिल अधिकारी

थाना प्रभारी निरीक्षक रकाबगंज सुभाष चन्द्र, एसआई शिवेन्द्र सिंह, एसआई रजनीश कुमार, एसआई संदीप कुमार प्रशिक्षु एसआई सचिन परमार राहुल तोमर, हेड कास्टेबल मांगेराम,व कौशलेन्द्र सिंह, कास्टेबल अवधेश चौधरी व रवि कुमार और आमीर आलम, शामिल रहे।

करकुंज के पास कार ने ऑटो और बाइक को रौंदा, दो की मौत

आगरा। करकुंज मार्ग पर कार ने ऑटो और बाइक आपस में भिड़ गयी, जिससे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। यह घटना रात करीब 11 बजे की है। हादसे के बाद कार चालक अपनी गाड़ी को लेकर भाग गया। हादसे में ऑटो और बाइक सवार सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने घायलों को एसएन अस्पताल में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने दो लोगों को मृत बता दिया।डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि सफेद रंग की एक कार सेक्टर 11 स्थित पानी की टंकी की तरफ से करकुंज की तरफ जा रही थी। वहीं बाइक और ऑटो करकुंज की ओर से पानी की टंकी तरफ जा रहे थे। कार ने पहले बाइक को चपेट में लिया। उस पर तीन लोग सवार थे। इसके बाद ऑटो को भी चपेट में लिया। हादसा इतना जोरदार था कि ऑटो और बाइक कई मीटर दूर जा गिरे। हादसे में मृतक की पहचान गिहारा बस्ती, हरीपर्वत निवासी आशुतोष (21) और ऋतिक के रूप में हुई। वहीं गिहारा बस्ती के ही साजन और आवास विकास कॉलोनी के सेक्टर 12 निवासी सौरभ गंभीर घायल हो गए। उनका उपचार चल रहा है। जानकारी पर परिजन पहुंच गए। उनमें कोहराम मच गया।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार में मारी टक्कर, युवक घायल, अस्पताल में भर्ती, उपचार के दौरान मौत

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा/फतेहाबाद। आगरा से बाइक पर लौट रहे दूध विक्रेता को कार ने टक्कर मार दी जिसके चलते बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।पुलिस ने उसे उपचार के लिए भेज दिया।देर रात उपचार के दौरान घायल की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी अनुसार डौकी के नगला विषै निवासी विशाल आगरा में दूध का व्यापार करते हैं।रविवार शाम करीब चार बजे आगरा से प्लेटिना बाइक से अपने घर वापस आ रहे थे । तभी आगरा फतेहाबाद रोड कच्छपुरा पर तेजरफ्तार कार ने अपनी चपेट में ले लिया। कार की चपेट में आने से विशाल गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर थाना डौकी पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायल बाइक सवार विशाल को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। जहां निजी अस्पताल में घायल विशाल का इलाज चल रहा है । वही कार सवार कार को छोड़कर भाग गया ।परिजनों ने कर सवार के खिलाफ थाना डौकी में लिखित तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर थाना डौकी पुलिस छानबीन में जुट गई। देर रात बाइक सवार की उपचार के दौरान अस्पताल में मौत हो गई।घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने फतेहाबाद आगरा मार्ग पर जाम लगा दिया।घटना की जानकारी पर डौकी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।ग्रामीणों ने पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाया।वही देर रात पुलिस ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर कर शांत किया तथा जाम खुलवाया।

सेना भर्ती स्थगित हो जाने से अवसाद मे आए युवक ने फंदे पर लटककर दी जान

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। थाना किरावली क्षेत्र के अंतर्गत गांव गढ़ी विचित्रा कराहरा गांव में एक युवक ने अवसाद में आकर फंदे पर लटककर जान दे दी।जानकारी के मुताबिक गढ़ी विचित्रा निवासी (27) वर्षीय हेमंत पुत्र राजेंद्र सिंह ने अपने प्लाट पर फंदा लटकाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक हेमंत के पिता राजेंद्र सिंह के मुताबिक वर्ष 2020 में उनका बेटा सेना में भर्ती हो गया था। मेडिकल होने के बाद भर्ती निरस्त कर दी गई थी। तभी से वह अवसाद में आ गया और मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। इसी परेशानी में आकर उसने यह कदम उठा लिया। पिता राजेंद्र सिंह ने बताया कि शनिवार रात करीब 10:20 बजे उनका पुत्र हेमंत खाना खाकर पशुओं के प्लाट पर सोने चला गया थाना रविवार की सुबह जब वह प्लाट पर पहुंचे तो कपड़े की रस्सी से टिन में लगे पाइप से हेमंत का शव फंदे से लटका मिला जिसे देखकर परिजनों में चीख पुकार मच गई। बेटे की मौत से मां सुमन देवी और बहन रिंकी सहित अन्य परिजनों का रो-रोकर बुर हाल है। थाना पुलिस ने बताया कि मृतक के परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया और शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

दयालबाग में ट्रैक्टर ने कोल्ड स्टोर मालिक की बेटी को रौंदा: एक्टिवा पर बहन के साथ पोइया घाट की ओर से आ रही थी, घटना सीसीटीवी में कैद

आगरा। दयालबाग रोड पर शुक्रवार रात को ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से कोल्ड स्टोर स्वामी की 16 वर्षीय बेटी सिद्धि उर्फ नव्या की जान चली गई थी। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जिस जगह घटना हुई, वहां सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। पुलिस को आशंका है कि तेज गति से ट्रैक्टर ट्राली के आने के दौरान निर्माणाधीन सड़क पर स्कूटर गिरने की वजह से हादसा हुआ। ट्रैक्टर नव्या के सिर को कुचलता हुआ निकल गया। घटना शुक्रवार रात 1ः30 बजे की है। गंगे गौरी बाग, बल्केश्वर निवासी दिलीप अग्रवाल के हाथरस मार्ग पर कोल्ड स्टोर हैं। (16) वर्षीय बेटी सिद्धि उर्फ नव्या अग्रवाल ने दसवीं की परीक्षा पास की थी। घटना वाले दिन वह स्कूटर से अपनी छोटी बहन के साथ घर की तरफ जा रही थीं। दयालबाग पोड़या घाट मार्ग पर श्रीराम फार्म हाउस के पास एक ट्रैक्टर ट्राली ने दोनों बहनों को चपेट में ले लिया। नव्या ट्रैक्टर की चपेट में आ गई। उसकी मौके पर ही जान चली गई। हादसे के बाद का भी एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। जिसमें नव्या खून से लथपथ पड़ी है। उसकी बहन रोते हुए लोगों से मदद मांग रही है। वहां से गुजर रहे लोगों युवती को दिलासा दे रहे हैं। बताया गया है घटनास्थल के पास मैरिज होम के बाहर सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए। एक में नजर आया कि एक ट्रैक्टर पोइया घाट की तरफ से न्यू आगरा की तरफ जा रहा है। फार्म हाउस से आगे निकलते ही हादसा होता है। इसके बाद स्कूटर सवार दोनों बहन सड़क पर गिरी हुई नजर आ रही हैं। जिस जगह पर हादसा हुआ, वहां पर दोनों तरफ सड़क का निर्माण चल रहा है। इसके लिए गिट्टी डाली गई हैं। मगर, कोई संकेतक नहीं लगाया गया है। तेजगति से आती ट्रैक्टर ट्राली की वजह से हादसा होता है। सड़क पर गिट्टी होने की वजह से दोनों बहनें गिरती हैं। एक सड़क से दूसरी तरफ गिरने की वजह से बच जाती है। परिजन जो भी तहरीर देंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। ट्रैक्टर ट्राली की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। उधर, घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

रात को तेज रफ्तार से दौड़ते हैं ट्रैक्टर

पोइया घाट पर रात को तेज रफ्तार से ट्रैक्टर दौड़ते हैं। इसको लेकर लोगों में आक्रोश है। उनका कहना है कि रात होते ही यहां पर तेज ट्रैक्टर ट्राली दौड़ते हैं। सिंगल रोड होने के चलते आए दिन हादसे होते रहते हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जाती।

खेलते-खेलते छिन गया बचपन : तालाब में डूबने से 12 वर्षीय बालक की दर्दनाक मौत

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। थाना चित्राहाट क्षेत्र के गांव पारना में रविवार को एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया। तालाब किनारे खेलते समय 12 वर्षीय लाला पुत्र सतेंद्र का पैर अचानक फिसल गया और वह पानी में गिर पड़ा। गहराई का अंदाज़ा न होने से वह डूब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद तालाब के पास मौजूद बच्चों ने शोर मचाया। सूचना पर परिजन और ग्रामीण दौड़े चले आए और तालाब में उसकी खोजबीन शुरू की गई। कुछ ही देर में लाला का शव मृत अवस्था में पानी से बरामद हुआ। मासूम की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोगों ने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया।

घटना से गांव में पसरा मातम

शांत तालाब की लहरों के बीच घुला लाला का मासूम जीवन गांववालों के लिए किसी सदमे से कम नहीं रहा। इस हादसे ने ग्रामीणों को गहरे शोक में डाल दिया है।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में सम्भागीय परिवहन प्राधिकरण की बैठक 27 जून को

बैठक में निजी मार्गों पर मंजिली गाड़ियों के स्थायी सवारी गाड़ी परमिटों की स्वीकृति हेतु प्राप्त आवेदनों तथा अन्य लम्बित प्रकरणों पर किया जायेगा विचार

आगरा। सचिव, सम्भागीय परिवहन प्राधिकरण श्री अरुण कुमार ने अवगत कराया है कि श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में सम्भागीय परिवहन प्राधिकरण, आगरा की बैठक दिनांक 27.06.2025 को दोपहर 12ः00 बजे से मण्डलायुक्त कार्यालय, आगरा के सभागार कक्ष में आहूत की गई है। इस बैठक में निजी मार्गों पर मंजिली गाड़ियों के स्थायी सवारी गाड़ी परमिटों की स्वीकृति हेतु प्राप्त आवेदनों तथा अन्य लम्बित प्रकरणों पर विचार किया जायेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से बैठक में अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु स्वयं या अपने प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होने का आग्रह किया है। उन्होंने आगे यह भी अवगत कराया है कि बैठक में उपस्थित होने हेतु कोई सूचना पृथक से प्रेषित नहीं की जायेगी। यदि बैठक की तिथि में कोई परिवर्तन होता है तो उक्त तथ्य की सूचना समाचार पत्रों के माध्यम से प्रकाशित की जायेगी।

संपादकीय

जाति आधारित राजनीति

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जातिगत जनगणना से विकास के विभिन्न क्षेत्रों में पीछे छूट गए लोगों की मदद की बात की। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता और स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी की सटीकता पर भी विचार रखे। सम्मेलन में मोदी के तीसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ और सुशासन के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। जातिगत जनगणना को लेकर सरकार ने अचानक अपनी रणनीति बदली है। 1931 के बाद देश में जातिगत जनगणना नहीं हुई, तब पिछड़ी जातियां 52 प्रतिशत थीं। जाति आधारित राजनीति के पांव जमाने से पहले आजादी के तुरत बाद 1951 से दलितों व जनजातियों की अलग से गणना होने लगी। जातिवादी राजनीति के हावी होते ही, विपक्ष लंबे अरसे से जातिगत जनगणना की मांग कर रहा है। जिस पर मोदी सरकार ने कभी रुख स्पष्ट नहीं किया। मगर संघ के जातिगत जनगणना के समर्थन में विचार देते ही सरकार ने इसकी घोषणा कर दी। तर्क है कि वंचितों के लिए नीतियां बनाने में आसानी होगी तो इसका विरोध करने वाले मानते हैं इससे समाज में दरारें आ सकती हैं। जातियों को वोट बैंक के नाम पर भुनाने वाले और आरक्षण समर्थकों के लिए नये मुद्दे उभर कर सामने आ सकते हैं। वास्तव में अतिपिछड़ों व वंचितों के उत्थान के लिए उठाए गए कदम अपनी भूमिका निभाने में असफल नजर आते हैं। आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक सशक्तिकरण के बगैर समानता की कल्पना भी नहीं की जा सकती। योजनाओं और प्रचार में अव्वल सरकार के लिए ये सिर्फ शिगूफे न साबित हों, यह ख्याल किया जाना जरूरी है। रही बात पाक से संघर्ष की तो इसके लिए सशस्त्र बलों के बलिदान और साहस पर समूचा देश भाव-विह्वल है। मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों का फर्ज है, वे शहीदों व युद्ध प्रभावितों के परिजनों की भरपूर मदद में कोई कोताही न करें। दुश्मन मुल्क से लगी सीमा के रहवासियों को हुई जान-माल की भरपाई की भी अनदेखी नहीं होनी चाहिए। बंद कमरों में आला-कमान की प्रशस्ति काफी नहीं कही जा सकती। हालांकि देश के राजनीतिक दलों में जिस तरह का अधिनायकवाद हावी है, वहां आंतरिक लोकतंत्र की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जबकि इन बैठकों में सरकारी योजनाओं व कार्यप्रणाली की आलोचनात्मक बात होनी चाहिए और सरकारी सहायता पहुंचाने में जनप्रतिनिधियों में जिम्मेदारीपूर्णता से निर्वहन की खुली चर्चा होनी चाहिए।

अद्भुत, अनुपम,अलौकिक महातीर्थ केदारनाथ

(रमाकान्त पन्त-विभूति फीचर्स)

हिमालय की गोद में बसा उत्तराखण्ड आध्यात्मिक दृष्टि से विश्व की अद्भुत, अनुपम एवं अलौकिक धरोहर है। यहां स्थित ज्योतिर्लिंग केदारनाथ की महिमा भी पुराणों के अनुसार अतुलनीय है। अनेक धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के इस पावन धाम का वर्णन मिलता है। उत्तराखण्ड स्थित चार धामों में केदारनाथ धाम का बड़ा महत्व है। रुद्रप्रयाग जिले में स्थित गौरीकुण्ड से लगभग 16 किलोमीटर उत्तर की ओर मंदाकिनी नदी के किनारे समुद्र तल से 3584 मीटर की ऊंचाई पर केदारनाथ भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। केदार क्षेत्र सभी तीर्थों में उत्तम तीर्थ कहा गया है। स्वयं भगवान शिव पार्वती से यह बखान करते हुए कहते हैं कि जो केदारनाथ के दर्शन कर श्रद्धापूर्वक मेरी पूजा करता है मैं उसके हृदय में स्वयं प्रकट होता हूं।

केदारक्षेत्र माख्यातं तीर्थानां तीर्थ मुक्तमम्।
शिवलिंग प्रजायेत हृदि तस्य महेश्वरी।।

(42 अ. 2 श्लोक 42 व 43) (स्कंद पुराण,केदारखण्ड)

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार केदारनाथ मंदिर के समीपवर्ती क्षेत्रों में स्थित देवालयों का भी विशेष महत्व है, जिनमें तुंगनाथ, रुद्रनाथ, मद्महेश्वर, कल्पेश्वर आदि हैं जहां शिवजी की विविध रूपों में पूजा होती है। केदारनाथ में शिवलिंग, तुंगनाथ में शिवजी की भुजा, रुद्रनाथ में मुख, मद्महेश्वर में नाभि और कल्पेश्वर में उनकी जटा की विशेष पूजा-अर्चना का विधान है। भगवान केदारनाथ जी की महिमा का एक स्वरूप मध्यमहेश्वर चौखंबा पर्वत चोटी की तलहटी पर 3328 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है जो वास्तुशिल्प का अद्वितीय उदाहरण है। यहां से केदारनाथ व नीलकंठ पर्वत श्रृंखलाओं के दर्शन होते हैं। पुराणों में वर्णित पंच केदार नामक तीर्थों में से एक इस तीर्थ का बड़ा ही सुन्दर वर्णन आता है। महादेव माता पार्वती को इस स्थल के बारे में बताते हुए कहते हैं कि इसके दर्शन से मनुष्य सदा स्वर्ग में वास करता है तस्य वै दर्शनान्मर्त्यो नाकपृष्ठे वसेत्सदा। घोर कलियुग में मध्यमेश्वर के दर्शन से मनुष्य धन्य हो जाते हैं- धन्या कलियुगे घोरे मध्यमेश्वरदर्शनात्। रुद्रप्रयाग गोपेश्वर मार्ग में चौपता से तीन किमी. की दूरी पर स्थित तुंगनाथ शिखर पंच केदार का ही स्वरूप है। यहां स्थित भगवान शिव के मंदिर में उनकी पूजा, समुद्र तल से 3680 मीटर की ऊंचाई पर होती है। पुराणों में मांधाता क्षेत्र के दक्षिण दिशा में दो योजन चौड़ा, दो योजन लम्बा, पापनाशक तथा सकल कामनादायक तुंगनाथ के पवित्र क्षेत्र का महात्म्य मिलता है। पुराणों के ही माध्यम से स्वयं महादेव ने महादेवी को बताया है। जो तुंगनाथ नामक मेरे लिंग का पूजन करता है। उस महात्मा के लिए तीनों लोकों में कुछ भी दुर्लभ नहीं रह जाता है।

सम्पूज्य मम लिंग वै तुंगनाथस्थानकम्।
दुर्लभ त्रिषु लोकेषु नास्ति तस्य महात्मनः।।

जहां तुंगनाथ में भगवान शिव की भुजा की पूजा होती है वहीं रुद्रनाथ में उनकी मुखाकृति की पूजा की जाती है। ऋषिकेश-गोपेश्वर मार्ग पर सागर से 22 किमी. की दूरी पर स्थित यह स्थान समुद्र तल से 2286 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है जो तीर्थों में उत्तम तीर्थ है। इस स्थान पर देवताओं ने अंधक नामक असुर का वध कर देवताओं को उनका राजपाट वापस दिलाया था। ज्योतिर्लिंग केदारनाथ की अलौकिक लीला के क्षेत्र कल्पेश्वर के दर्शन का महत्व केदार क्षेत्र में समस्त पापों का नाशक है। कल्पेश्वर के शिव मंदिर में शिवजी की जटाओं की पूजा होती है। यह स्थान दुर्वासा ऋषि की तपःस्थली रही है। समुद्र तल से 2134 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह स्थान ऋषिकेश बद्रीनाथ मार्ग पर हेलंग से 12 किमी. दूर स्थित है। प्राकृतिक रूप से सुन्दर इस मंदिर में भक्तजन बरबस ही खिंचें चले आते हैं। इसी स्थान पर भगवान विष्णु तथा इन्द्रादि देवताओं ने ऋषि दुर्वासा के श्राप से लोप हुई लक्ष्मी को पुनः प्राप्त करने हेतु शिवजी की कठोर तपस्या की। प्रसन्न शिव ने समुद्र मंथन का उपाय बताकर देवताओं का उद्धार किया। इस स्थान पर पूर्व में कल्प वृक्ष होने की भी बात कही जाती है। पंचकेदार के रूप में संसार का मंगल करने वाले भगवान केदारनाथ का प्राचीन मंदिर महाभारत कालीन बताया जाता है।

शब्द सामर्थ्य -067

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे
1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

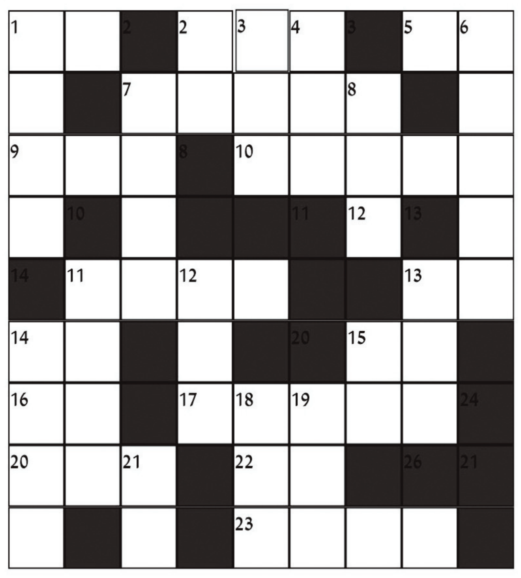

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 066 का हल

ग	ल	त				खा	म	खाँ
णे		ल		झ	प	की		
श	र	ब	त		रं			मि
	ज	गा	ना		प	रा	का	ष्ठा
	नी	र		वि	रा	ज	मा	न
ना	च			प			य	
म	र	णा	स	न्न		पा	नी	
ची			प		पा			भो
न	ज	रा	ना		स	मा	चा	र

सामाजिक न्याय में लोक आचरण सर्वाधिक महत्वपूर्ण

अवधेश कुमार

लालू प्रसाद यादव जी ने तेज प्रताप को परिवार और पार्टी दोनों से बाहर कर दिया है। उनका पूरा स्टैंड उनके अनुसार नैतिक आधार पर है। यानी सामाजिक न्याय में लोक आचरण सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है और उनके बड़े सुपुत्र तेजप्रताप यादव ने इसका उल्लंघन किया है। इसी की सजा उनको दी गई है। निश्चित रूप से परिवार के लिए यह बहुत बड़ा धक्का है। किसी भी पिता और मां का अपने बड़े पुत्र को बाहर करने का निर्णय करना आसान नहीं होता। इस नाते पहली दृष्टि में लालू जी और राबड़ी देवी जी के प्रति सहानुभूति का भाव पैदा होता है। किंतु वे कोई सामान्य परिवार नहीं है। जो कुछ भी हुआ उनमें ऐसे अनेक प्रश्न हैं, जिनका उत्तर सार्वजनिक जीवन खासकर राजनीति में होने के कारण उन्हें देना चाहिए। लालूजी का परिवार बिहार में इस समय सबसे ज्यादा अकेले प्रभावी राजनीतिक परिवार माना जा सकता है। यद्यपि वे विपक्ष में है किंतु बिहार में परिवार की दृष्टि से कोई ऐसा नहीं बचा जिनकी हैसियत उतनी बड़ी हो। दो पूर्व मुख्यमंत्री, एक उप मुख्यमंत्री, एक पूर्व मंत्री, एक सांसद और तीन विधायक। ऐसे परिवार के सबसे बड़े सुपुत्र की किसी लड़की के साथ लंबे रिश्तों की बात सामने आती है और वह अमर्यादित है तो इस पर बवाल मचेगा। धीरे-धीरे ऐसा माहौल बना है जिसमें दो व्यक्तियों खासकर स्त्री-पुरुष के संबंधों पर लिखने और बोलने से हम आप बचना चाहते हैं। देश में एक अजीब किस्म के वामपंथी लिबरल सेक्युलर इकोसिस्टम ने खासकर स्त्री पुरु ष और उसमें भी विवाहेतर संबंधों को लेकर भी पढ़े-लिखे वर्ग के बीच ऐसा मानस तैयार किया है मानो यह भी उनका निजी मामला ही है। राजद का तर्क है कि लालू जी ने स्वयं स्टैंड ले लिया है तो इसके आगे कुछ कहने के लिए बचता नहीं। किंतु क्या वाकई इसे ही पूर्ण विराम मान लिया जाए? तेज प्रताप यादव के एक्स पर पोस्ट आता है जिसमें वह अनुष्का यादव से 12 वर्ष के अपने रिश्तों और लिव इन में रहने की बात स्वीकार करते हैं। कहते हैं कि अब समय आ गया है जब मैंने सोचा इसे सार्वजनिक कर दिया जाए। बाद में वह पोस्ट डिलीट हो जाता है। उनका बयान आता है कि अकाउंट हैक हो गया था एवं एआई के द्वारा इसे लिखा गया। लालू यादव द्वारा उन्हें पार्टी से 6 वर्ष के लिए निष्कासन तथा परिवार से अलग करने की घोषणा ने स्पष्ट कर दिया कि पोस्ट की बातें सच हैं। अगर यह सच है कि परिवार को तेज प्रताप के इस अपकर्म की जानकारी नहीं थी और उन्होंने केवल सार्वजनिक जीवन में शुचितापूर्ण आचरण को निर्णय का मानक बनाया है तो उन्हें प्रशंसा का पात्र माना जाना चाहिए। किंतु जितने तथ्य सामने हैं, उनके अनुसार लाल यादव से लेकर राबड़ी देवी और संपूर्ण परिवार को इस संबंध का पता था। तेज प्रताप की अभी तक कानूनी पत्नी, जिनके साथ उनका तलाक का मामला चल रहा है, कि मां ने कहा है कि इसमें नया कुछ नहीं सबको पता है। वैसे भी अगर 12 वर्ष से संबंध है तो फिर सात वर्ष पहले 2018 में लालू यादव जी और राबड़ी जी ने तेज प्रताप की ऐर्या यादव से शादी क्यों कराई? अभी अचानक तीसरा ऑडियो भी वायरल है।

प्रकृति का करो सदा श्रृंगार

प्रकृति का करो सदा श्रृंगार
वृक्ष लगाओ, जीव बचाओ, भरो नीर भंडार,,,,
सुप्रभात ही कलरव करते,
चहक चहक खग गगन विचरते,
मन मोहक लगता है जब भी,
कोयल गाए मल्हार
प्रकृति का झर झर बहते झरने निर्झर ,
गीत गा रहे मधुर मधुर स्वर,
ऊंचे पर्वत सुन पाओगे,
मन के ही उदगार,
प्रकृति का कहते हैं सब जल ही जीवन,
जल है तो कल वन और उपवन,
मिला सृष्टि से हम सब को ही,
सुंदरतम उपहार,
प्रकृति का गर न मिलेगी हवा शुद्ध जब,
जीना मुश्किल होगा ही तब,
रुक जायेंगी सांसे तेरी
छूटेगा संसार प्रकृति का करो सदा श्रृंगार

डॉ प्रतिज्ञा गुप्ता
गुरसराय झांसी
उत्तर प्रदेश
9455719196

राशिफल

मेष
मेष राशि वालों का आज का दिन बेहतर रहने वाला है। आज लंबे समय से चल रही किसी समस्या से आपको निजात मिलेगा और आपकी चतुराई और योग्यता की सराहना होगी। आज किसी अनुभवी के मार्गदर्शन से प्रॉपर्टी की खरीदी-बिक्री संबंधी रुका काम पूरा हो जाएगा। कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी और विशेष मुद्दों पर बातचीत भी होगी जो कि सकारात्मक रहेगी। शाम को परिवार के साथ कोई मनोरंजन प्रोग्राम भी बन सकता है। आज आपको कोई शुभ सूचना मिलने वाली है। व्यापार में आपको अपने सहयोगियों की हेल्प मिलेगी और ज्यादा से ज्यादा लाभ होगा।

वृषभ
आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज दिन भर भागा-दौड़ी की स्थिति रहेगी लेकिन कार्य भी सुचारू रूप से बनते जाएंगे। सूझबूझ और व्यवहार कुशलता से अपने काम के प्रति व्यस्त रहेंगे। आज व्यस्ततम दिनचर्या रहेगी लेकिन आप अपने कार्यों को सहज ही पूरा भी कर लेंगे। आज कार्यक्षेत्र में बदलाव संबंधी कुछ योजनाएं बनेंगी और योजनाबद्ध तरीके से काम करना आपको मन मुताबिक सफलता भी देगा। आज कोई भी बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की राय की अनदेखी करने की भूल न करें।

मिथुन
आपके लिए आज का दिन खास होने वाला है। किसी भी नए निवेश के बारे में प्लान करें, आपको अच्छा लाभ हो सकता है। घर में किसी नन्हें मेहमान के आगमन संबंधी शुभ समाचार मिलने से उत्सव का माहौल रहेगा। माता-पिता के आशीर्वाद से किए गए काम में आपको सफलता मिलेगी। आज कोई भी विशेष निर्णय लेते समय बेहतर होगा कि आप किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लें, इससे काम में आसानी भी होगी। परीक्षा प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे लोगों को कठिन परिश्रम की आवश्यकता रहेगी।

कर्क
कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी समारोह में शामिल होंगे तो आपकी उपस्थिति को महत्व मिलेगा। कोरियर का बिजनेस कर रहे कारोबारियों को आज फायदा मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोगों का आज समाज में दबदबा बना रहेगा। आज रुका हुआ पैसा मिल सकता है। हालांकि, दिन की शुरुआत में चुनौतियां रहेंगी लेकिन किसी अनुभवी की मदद से रास्ते आसान हो जाएंगे और कामों में भी सफलता मिलेगी। घर का माहौल सुकूनदायक रहेगा। इस राशि की महिलाएं अपना बिजनेस स्टार्ट कर सकती हैं, अधिक लाभ होगा।

सिंह
आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। कार्यस्थल पर गंभीरता और ईमानदारी से अपने प्रोजेक्ट को अंजाम दें, इस समय आपकी तरक्की के भी योग बन रहे हैं। आज समय आपके पक्ष में है। काम आसानी से बनेंगे और किसी नई योजना पर भी काम करने का अवसर मिलेगा। परिवार और फाइनेंस से संबंधित लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय सकारात्मक रहेंगे और पिछले कुछ समय से चल रही किसी समस्या का भी निदान होगा। आज घर में सुख-शांति भरा माहौल रहेगा। आज किसी भी अनजान व्यक्ति पर ज्यादा विश्वास न करें, आपको नुकसान हो सकता है।

कन्या
आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपने बड़े भाई से प्रॉपर्टी से रिलेटेड कोई बात करेंगे और फाइनेंस संबंधित कुछ योजनाएं बनेंगी। आज आपका काम करने का जुनून आपको मेहनत करने की क्षमता प्रदान करेगा। आज किसी भी ऑफिशियल यात्रा को करने के लिए समय अनुकूल है। आज पारिवारिक सदस्यों के बीच प्रेम और सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। लवमेट में एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान और विश्वास रखेंगे। आज आपका किसी इंटरव्यू में सलेक्शन होगा और अच्छी जॉब मिलेगी। आपको स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

तुला
आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप करीबी व्यक्ति के बारे में गहराई से विचार करके रिश्ता सुधारेंगे। आज जिम्मेदारियां रहेंगी, लेकिन उनसे भागने के बजाय उन्हें बेहतर तरीके से पूरा करने की कोशिश करेंगे। आज जल्दबाजी और भावुकता में कोई निर्णय न लें। आज कारोबारी महिलाओं को पारिवारिक और व्यवसायिक तालमेल बनाकर रखना है। कोई ऑफिशियल यात्रा करना लाभदायक रहेगा। माता-पिता के आशीर्वाद से आपको कोई उपहार आदि भी मिल सकता है। आप अपने दोस्तों के साथ किसी ट्रिप पर जाने का प्लान बनाएंगे।

वृश्चिक
वृश्चिक राशि वालों के लिए आज का दिन सामान्य रहने वाला है। आज किसी भी नकारात्मक स्थिति में घबराने के बजाय उसका समाधान ढूंढें तो जल्दी ही हल भी मिलेगा। वाहन अथवा किसी महंगे उपकरण के खराब होने से बड़ा खर्चा सामने आएगा। आज अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव लाने से नए अवसर मिलने वाले हैं। दोपहर के बाद आपको अपने भविष्य से संबंधित कोई खुशखबरी भी मिलने वाली है। अपने किसी खास मिशन को लेकर किए गए प्रयास सफल होंगे।

धनु
आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी और आप सामान की खरीददारी करने मार्किट जा सकते हैं। आज कारोबार में नई तकनीक का इस्तेमाल करने संबंधी कार्य प्रणाली पर विचार-विमर्श होगा। योजना को गति देने में आपकी मेहनत बनी रहेगी। लवमेट के साथ मुलाकात का अवसर मिलेगा। आज घर के बड़े व्यक्तियों की सलाह और मार्गदर्शन पर अमल करने से समाधान भी मिलेंगे। इस राशि के जो लोग बड़ी कंपनियों में काम करते हैं, उनके लिए आज का दिन बेहद खास है।

मकर
आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज किसी भी काम को करने से पहले उससे संबंधित उचित जानकारी हासिल करेंगे, फिर उस पर काम करेंगे। इससे आपको बेहतर परिणाम हासिल होंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। घर में बुजुर्गों का भी प्यार और आशीर्वाद शांतिपूर्ण माहौल बनाकर रखेगा। किसी रुके हुए काम को पूरा करने में सफलता मिल सकती है। आज आपकी कठिन परिस्थितियों में आपका परिवार आपकी ढाल बनकर सामने रहेगा, इससे आपको साहस मिलेगा। स्वास्थ्य से रिलेटेड परेशानी आज दूर होगी। आप एनर्जेटिक रहेंगे।

कुंभ
आपके लिए आज का दिन उत्तम रहने वाला है। आज प्रोजेक्ट कार्य में आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। सकारात्मक सोच जीवनयापन में आपकी मदद करेगी। आज घर तथा बाहर दोनों जगह किसी बड़े फैसले को लेने में आपका विशेष योगदान रहेगा। अगर कहीं पैसा फंसा हुआ है, तो उसकी वसूली के लिए प्रयास करें, सफलता मिल सकती है। धार्मिक संस्था के लिए आपका योगदान रहेगा। मांगलिक कार्य होने के भी योग बन रहे हैं। दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा, एक-दूसरे को बेहतर समझेंगे। सफेद रंग और 8 नंबर आपके लिए लकी है।

मीन
आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज पारिवारिक सदस्यों के साथ किसी महत्वपूर्ण विषय पर सहमति बन जाने से राहत की सांस लेंगे। छोटों की गलतियों को माफ करते चलेंगे और वरिष्ठ लोगों के मार्गदर्शन पर अमल करेंगे। किसी भी योजना के पहले उचित रूपरेखा बनाएं, बाद में उस पर काम करें। आज किसी पॉलिसी में निवेश करने की योजना बन रही है, तो दिन शुभ है। आपको किसी करीबी रिश्तेदार से मिलने का अवसर मिलेगा। परिवार में खुशी का माहौल बनेगा। काला रंग और 4 नंबर आपके लिए लकी है।

पद्मश्री डॉ. संतराम देशवाल का साक्षात्कार

जीवन में सात सूत्रों का पालन हर व्यक्ति को सफल बना सकता है

(नरेंद्र शर्मा परवाना-विभूति फीचर्स)

साहित्य, पत्रकारिता, शिक्षा और सामाजिक कार्यों में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले डॉ. संतराम देशवाल को हाल ही में भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया है। एक प्रख्यात कवि, लेखक, शिक्षक और पत्रकार के रूप में उनकी 70 वर्ष की जीवन गाथा प्रेरणादायी है और यह दर्शाती है कि मेहनत, अनुशासन और सामाजिक सरोकार से जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। इस साक्षात्कार में हम उनके बचपन, लेखन की शुरुआत, संघर्ष, सफलता और डिजिटल युग के प्रति उनके विचारों को जानेंगे। इस प्रेरक व्यक्तित्व के जीवन के अनछुए पहलुओं को खोजने और उनकी सोच से प्रेरणा लेने के लिए हमने उनसे बात की। प्रस्तुत हैं उनसे साक्षात्कार के संपादित अंश-

प्रश्न - आपकी लेखन यात्रा की शुरुआत कैसे हुई?

उत्तर - मेरी लेखन यात्रा की शुरुआत हुई तब मैं मात्र पांच-छः वर्ष वर्ष का था। मेरे गांव खेड़का गुर्जर (जिला झज्जर, हरियाणा) में एक बुजुर्ग का बेटा फौज में था। उनकी चिट्ठी आई, लेकिन गांव में पढ़ने वाला कोई नहीं था। मैं घर के बाहर चौतरे पर बैठा था, तो उन्होंने मुझे चिट्ठी पढ़ने को कहा। मैंने हिम्मत जुटाकर धीरे-धीरे पढ़ी और फिर उनकी चिट्ठी लिखी। इससे गांव में मेरी पहचान बनी। धीरे-धीरे चिट्ठियां लिखते-लिखते मैं किताबें लिखने लगा। यही मेरी लेखन यात्रा का प्रारंभ था।

प्रश्न - आपके परिवार और गांव की पृष्ठभूमि के बारे में बताएं।

उत्तर - मैं हरियाणा के झज्जर जिले के खेड़का गुर्जर गांव से हूं। मेरे दादाजी श्री मोहन लाल देशवाल और दादी श्रीमती देवी थीं। मेरे पिताजी श्री सदाराम देशवाल का देहांत तब हुआ, जब मैं चार साल का था। मेरी माताजी दड़का देवी थीं। मेरी पत्नी डॉ. राजकला देशवाल, जो मुरथल के राजकीय महिला महाविद्यालय से उप प्राचार्य के पद से सेवानिवृत्त हुई हैं। मेरे दो बेटे हैं उदित सौम्य देशवाल (पावर ग्रिड में डीजीएम) और गोपेंद्र देशवाल (पेप्सी कोला में मार्केटिंग में) हैं। मेरी दो पोतियां, देवांगना और तारांगना, मेरे जीवन की खुशी हैं।

प्रश्न - लेखन में आपके प्रेरणा स्त्रोत कौन है? सामाजिक या व्यक्तिगत सरोकार?

उत्तर- मेरा लेखन सामाजिक दृष्टिकोण से प्रेरित है। जब मैं सामाजिक विडंबनाएं, अन्याय या संस्कृति के प्रति उपेक्षा देखता हूं, तो मेरे मन में तीव्र भावनाएं जागती हैं। ये मुझे तब तक चैन नहीं लेने देती, जब तक मैं उन्हें कागज या अब मोबाइल पर न उतार लूं। मेरा मानना है कि साहित्य समाज के हित के लिए होना चाहिए, न कि केवल मनोरंजन या व्यक्तिगत लाभ के लिए।

प्रश्न- जीवन में संघर्ष और निराशा से कैसे उभरे?

उत्तर- मैंने कभी गहरी निराशा या अवसाद का अनुभव नहीं किया, लेकिन जब भी परेशानियां आईं, मैं लेखन में डूब गया। चाहे कविता हो, निबंध हो या कोई अन्य विधा, लेखन ने मेरा हर दुख भुला दिया। यह मेरा सबसे बड़ा सहारा रहा है। मैं दूसरों को भी यही सलाह देता हूं कि कठिन समय में लेखन या रचनात्मक कार्य में डूब जाएं।

प्रश्न- आपकी कोई प्रिय काव्य पंक्ति जो आपके जीवन का मूलमंत्र हो?

उत्तर-मेरी प्रिय पंक्तियां हैं- मेहनत से मुकद्दर भी बदल जाते हैं, विश्वास से पत्थर भी पिघल जाते हैं।

मेहनत करके तो देखो यारों, मेहनत से रास्ते भी बदल जाते हैं।

प्रश्न- सफलता और सम्मान के बाद अहंकार को कैसे नियंत्रित करते हैं?

उत्तर-मैंने कभी अहंकार को पनपने नहीं दिया। मैं सहज जीवन जीता हूं। हाल ही में एक कार्यक्रम में मंच पर मेरा विधायक मेरा नाम लेना भूल गए तो चायपान के समय मैंने सहजता से उन्हें समझाया। मैं लोगों के बीच घुलमिल जाता हूं, चाहे वे सेल्फी लें या बात करें। मुझे लगता है कि समाज और ईश्वर सब देखता है, और मैं जैसा हूं, वही ठीक हूं।

प्रश्न- डिजिटल युग को आप कैसे देखते हैं? इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलू क्या हैं?

उत्तर- शुरू में मुझे लगा था कि कंप्यूटर बेरोजगारी लाएगा, लेकिन अब मैं समझता हूं कि डिजिटल क्रांति को रोकना असंभव है। हमें इसके सकारात्मक पहलुओं को अपनाना चाहिए। यह लेखन को आसान बनाता है अब मैं कागज की बजाय मोबाइल पर लिखता हूं। लेकिन नकारात्मक प्रभाव, जैसे बच्चों का मोबाइल में खो जाना, चिंताजनक है। माता-पिता को समय निर्धारित करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चे सकारात्मक सामग्री देखें।

प्रश्न - आपको प्राप्त प्रमुख पुरस्कारों के बारे में बताएं।

उत्तर - 2004 में मेरी पहली पुस्तक लोक आलोक (ललित लोक निबंध) को हरियाणा साहित्य अकादमी से सर्वश्रेष्ठ पुस्तक का पुरस्कार मिला। 2009 में मेरी काव्य पुस्तक अनकहे दर्द को भी सर्वश्रेष्ठ पुस्तक का पुरस्कार मिला। 2014 में मुझे जन कवि मेहर सिंह सम्मान और 2018 में महाकवि सूरदास साहित्य साधना सम्मान (5 लाख रुपये) प्राप्त हुआ। हाल ही में भारत सरकार ने मुझे पद्मश्री से सम्मानित किया, जो मेरे लिए सबसे सुखद क्षण था।

प्रश्न- आपकी जिंदगी का सबसे खुशी का क्षण कौन सा है?

उत्तर- पद्मश्री प्राप्त करने का क्षण मेरे लिए सबसे खुशी का था। 27 तारीख की रात को मैं उत्साह के कारण सो भी नहीं सका। यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं, मेरे विद्यार्थियों, शुभचिंतकों और समाज के लिए है।

प्रश्न- जीवन में सफलता के सूत्र क्या हैं?

उत्तर- मेरे अपने जीवन में सफलता के सात सूत्र हैं,जिनका पालन कर हर एक व्यक्ति सफल हो सकता है।

1. मेहनत-सफलता की इमारत का पहला पत्थर है निरंतर कठिन परिश्रम।
2. अनुशासन- लक्ष्य तक पहुंचने का सीधा मार्ग है आत्मअनुशासन।
3. संकल्प शक्ति-अडिग संकल्प ही असंभव को संभव बनाता है।
4. अधिक से अधिक पढ़ना - व्यापक अध्ययन से ही दृष्टिकोण की गहराई बढ़ती है।
5. मौलिकता - सृजनशीलता की जड़ है मौलिक सोच।
6. ज्ञान अर्जन-निरंतर ज्ञान ही व्यक्तित्व को प्रखर बनाता है।
7. सकारात्मक सोच- हर चुनौती में अवसर ढूंढ़ने की कला है सकारात्मक दृष्टिकोण।

इन सूत्रों को अपनाकर कोई भी किसी भी क्षेत्र में सफलता पा सकता है।

प्रश्न- आपकी सबसे प्रिय पुस्तक का नाम?

उत्तर- मेरी हालिया पुस्तक जिंदगी और बता (कविता संग्रह) मुझे सबसे प्रिय है।

प्रश्न- आपके जीवन को सफल बनाने वाले एक शिक्षक?

उत्तर- डॉ. ईश्वर दत्त रेढ़ू, मेरे संस्कृत के प्रोफेसर रहे हैं।

प्रश्न- मृत्यु से पहले आप एक चीज चुन सकते हैं, तो क्या चुनेंगे?

उत्तर-मैं पुस्तकें चुनूंगा। मेरे लिए अच्छी पुस्तकें ही सब कुछ हैं।

देश,धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए दशोरा नागर समाज ने कई आहुतियां दीं :मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंदसौर में हुए मां कुलदेवी पूजन कार्यक्रम में वर्चुअली हुए शामिल

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दशोरा नागर समाज ने देश, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए कई आहुतियां दीं है। समाज ने कठिनाइयों के बीच भी अपनी परंपराएं और पहचान बनाए रखी। व्यापार, व्यवसाय के साथ ही पूजा पाठ में शुद्धता और प्रक्रियाओं की सटीकता के साथ कर्म संपादित करना इस समाज की विशेषता रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मंदसौर में हुए समाज के मां कुलदेवी पूजन कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। दशोरा समाज प्रतिवर्ष ज्येष्ठ शुक्ल सप्तमी के दिन शिवना नदी में विराजित मां कुलदेवी की पूजन अर्चन करता है। मंदसौर में हुए कार्यक्रम में सांसद श्री सुधीर गुप्ता, समाजजन, जनप्रतिनिधि तथा प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर भगवान हाटकेश्वर एवं मां कुलदेवी को नमन किया और उपस्थितजनों को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दशोरा समाज ने संस्कृति को सहेजने का काम किया और आक्रमणों के समय अपने धर्म को बचाए रखा। दशोरा समाज कलम का धनी होने के साथ-साथ भोजन एवं पकवान बनाने में भी निपुण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि यह उपलब्धि सभी बहनों के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने समाजजन से देश एवं समाज के विकास में सहभागी बनने का आव्हान किया।

अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता देवी चित्रलेखा प्रेस से मुखातिव हुई

मेहगांव भुमियां बाबा सरकार पर चल रही श्रीमद भागवत कथा मे आज सष्ठी दिवस के अंतर्गत अंतराष्ट्रीय श्रीमद भागवत कथा प्रवक्ता देवी चित्रलेखा जी दोपहर 2 बजे अशोक भारव्दाज की कोठी ग्वालियर रोड मेहगांव पर प्रेसवार्ता मे महामंड्लेश्वर हरीओम दास के साथ उपस्थित हुई, देवी जी ने अपने संछिप्त परिचय मे बताया कि देवी जी के व्दारा सात वर्ष की उम्र मे सबसे पहली श्रीमद भागवत कथा बाचन व्रंदावन धाम मे किया जिसमे हजारों की संख्या मे भक्तो ने कथा स्त्रवण किया। साथ ही गाय की वदहाली को देखते हुऐ देवी जी के ह्दय वेदना दिखी तो उनके व्दारा पशु चिकित्सालय प्रारंभ करते हुऐ गायो का उपचार संभब हुआ, सरकार और आमजन से अपील करते हुऐ देवी जी ने कहा कि प्रत्येक मनुष्य को गाय की सेबा करते हुऐ जीवन श्रेष्ठतमः फल को प्राप्त करना चाहिए सेबा से बडा कोई धर्म नही, संपूर्ण चंबल क्षेत्र धार्मिक अनुष्ठान करने और कराने मे अग्रणी हे यहाँ पर बडे बडे धार्मिक आयोजनो की धूम रही है साथ ही यहाँ के लोग सेबाभावी हे जो इतने बडे बडे आयोजनो को सफल बनाने मे योगदान करते है।

वर्षा पूर्व बाढ़ आपदा प्रबंधन की तैयारियां सुनिश्चित करेंसमय - सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित

भोपाल। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में सोमवार को जिला स्तरीय टीएल बैठक का आयोजन एडीएम श्री अंकुर मेश्राम एवं श्री प्रकाश नायक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। बैठक में सभी एसडीएम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण हेतु विशेष निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इस सप्ताह सभी एसडीएम एवं विभागीय अधिकारी व्यक्तिगत रूप से लंबित शिकायतों की निगरानी करें और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाएं। बिना कारण किसी भी शिकायत को फोर्स क्लोज न किया जाए और जिन शिकायतों का निपटारा असंतोषजनक रहा है, उन्हें पुनः निराकृत किया जाए। वर्षा पूर्व बाढ़ आपदा प्रबंधन की तैयारियों की चर्चा करते हुए एडीएम श्री मेश्राम ने निर्देश दिए कि सभी एसडीएम और नगर निगम क्षेत्र में बाढ़ संभावित क्षेत्रों की पहचान कर राहत प्रबंधन की समुचित कार्ययोजना तैयार करें।

जिले के शैक्षणिक संस्थानों में हो शत प्रतिशत एडमिशन - कलेक्टर

जिले में 15 से 30 जून तक लगेंगे जागरूकता और लाभ संतृप्ति शिविर

सीहोर

कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सीएम हेल्पलाइन, विभागीय गतिविधियों और योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विभागवार लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों तथा निराकरण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाइन जन शिकायतों के निराकरण का महत्वपूर्ण माध्यम है, सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का समय अवधि में संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने नेशनल हाईवे तथा रेल परियोजनाओं के लिए भू अर्जन, मुआवजा वितरण, अर्जित भूमि का नामांतरण कब्जा दिलाने के कार्य में प्रगति लाने के साथ ही पार्वती परियोजना के विस्थापितों के लिए विस्थापन स्थल पर सभी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की कार्यवाही तेजी से करने के निर्देश दिए। इसी तरह वनग्रामों से राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तन और वन खंडों के व्यवस्थापन की कार्यवाही की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मध्यप्रदेश सरकार का प्रण : सुरक्षित भविष्य के लिए जल संवर्धन और संरक्षण

जल की एक-एक बूंद बचाने का दिया जा रहा संदेश

भोपाल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जल संरक्षण-संवर्धन के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा सवंर्धन अभियान का शुभारंभ 30 मार्च को किया था। पूरे प्रदेश में अभियान प्रारंभ से ही जन-आंदोलन बनकर आगे बढ़ा और उसके परिणाम भी सामने आने लगे हैं। पहली बारिश में ही अभियान में बनाए गए खेत तालाब लबालब हो गए। केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के जल संचय, जनभागीदारी अभियान में जल संचय के लिए खंडवा जिले को देश में प्रथम स्थान मिला है और राज्यों की श्रेणी में मध्यप्रदेश चौथे स्थान पर रहा है। खेत तालाबों में हो रहे जल संचय से किसानों को आवश्यकता के समय पर्याप्त जल उपलब्ध रहेगा, भूजल स्तर में वृद्धि होगी और खेत में मौसमी फसलों के साथ ही मछली पालन एवं तालाब के किनारों पर बागवानी का भी अवसर मिलेगा। वारा सिवनी में तुमाड़ी की श्रीमती सुनीता जैराम के खेत-तालाब बनाया था। करीब 6 फिट गहराई में बने खेत तालाब से सुनीता और उनके पति मिलकर मछली पालन के साथ ही खरीफ में गेहूं और रबी में धान की फसल ले रहे है। इससे उन्हें 1 लाख रुपये तक का मुनाफा हो रहा है।

बन रहे नये खेत तालाब, पुराने कुओं, बावड़ियों और तालाबों का हो रहा जीर्णोद्धार

शहडोल जिले में आगामी तीन माह तक जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नये तालाब बनाये जा रहे हैं, साथ ही तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार भी किया जा रहा है। नदियों को साफ-स्वच्छ एवं प्रवाहमान बनाए रखने के लिए भी कार्य किए जा रहे हैं। अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत पोड़ी, नवागांव, हर्री में नवीन खेत तालाब बनाए गए।

कटनी नदी के घाटों पर सफाई

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कटनी शहर की कटनी नदी के कटाए घाट में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जलकुंभी की सफाई का अभियान चलाया गया। जल संरक्षण के प्रति जन जागरूकता की अलख जगाने के लिए जल संरक्षण का प्रण लिया गया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और स्थानीय एनजीओ ने जन भागीदारी के साथ श्रमदान किया।

माँ नर्मदा के तटों पर बसे क्षेत्रों में नर्मदा सर्वेक्षण एवं जन जागरण यात्रा

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशानुसार नर्मदा जी के सीमावर्ती 16 जिलों, 51 विकासखंडों में जीवनदायनी माँ नर्मदा जी के जल को निर्मल तथा प्रवाह को अविरल बनाये रखने के लिए 'माँ नर्मदा सर्वेक्षण एवं जन जागरण यात्रा' का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 25 मई से प्रारंभ हुआ है और 05 जून 2025 तक चलेगा।

बाढ़ से निपटने की सभी तैयारियाँ तत्काल शुरू कर दें : कलेक्टर

आपदा प्रबंधन के लिए कम्युनिकेशन प्लान में सभी के फोन नम्बर अपडेट करें: कलेक्टर

रीवा,कासं.। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि इस वर्ष मानसून के समय से एक सप्ताह पहले पहुंचने तथा अच्छी वर्षा का अनुमान मौसम विभाग द्वारा लगाया गया है। बाढ़ तथा अतिवृष्टि से राहत और बचाव की तैयारियाँ तत्काल शुरू कर दें। जल संसाधन विभाग के अधिकारी त्योंथर तथा जिला स्तर में कंट्रोल रूम बनाकर बाणसागर परियोजना तथा उत्तरप्रदेश के मेजा, सिरसी एवं अदवा बांधों के कंट्रोल रूम से सतत संपर्क में रहें। एसडीएम त्योंथर तथा जवा बाढ़ से प्रभावित होने वाले 120 गांवों में राहत शिविर के लिए उचित स्थलों का चिन्हांकन कर लें। बाढ़ की स्थिति में गोताखोर दल, नाव चलाने वाले, जेसीबी तथा क्रेन चलाने वाले आपरेटर आदि की सूची बनाकर उनके फोन नम्बर कंट्रोल रूम को उपलब्ध करा दें। पंचायत स्तर पर भी बाढ़ राहत और बचाव के उचित प्रबंध कर लें। अतिवृष्टि अथवा बाढ़ की सूचना मिलने पर कंट्रोल रूम तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचना दें।

कंट्रोल रूम में पंजी संधारित कर महत्वपूर्ण सूचनाएं प्रतिदिन दर्ज करें।

कलेक्टर ने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी आपदा प्रबंधन के लिए जिला स्तर पर टीम गठित कर दें। सभी बीएमओ के पास पर्याप्त दवाएं उपलब्ध करा दें। उप संचालक पशुपालन पशुओं के लिए चारा-भूसा एवं उपचार की व्यवस्था कर लें। बाढ़ में मृत पशुओं के निष्पादन की भी व्यवस्था करें। आयुक्त नगर निगम तथा सभी सीएमओ शहरी क्षेत्र के नालों एवं नालियों की साफ-सफाई तत्काल कराएं। रीवा में बांसघाट, निपनिया, पुष्पराजनगर, बिछिया तथा तरहटी मोहल्लों में बाढ़ का प्रकोप होने पर राहत और बचाव की समुचित व्यवस्था करें। सभी एसडीएम अपने अनुभाग में आपदा प्रबंधन की बैठक करके आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करें। जिला कमाण्डेंट होमगार्ड्स बाढ़ से बचाव के लिए नाव, रस्सी, टार्च तथा अन्य उपकरणों की तत्काल व्यवस्था कर लें। त्योंथर क्षेत्र में आपदा प्रबंधन के लिए लोगों को प्रशिक्षण देकर जागरूक करें। एसडीएम सिरमौर बकिया बराज और टमस बराज के अधिकारियों से संपर्क में रहकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। बैठक में कलेक्टर ने बाढ़ की स्थिति में बिजली की वैकल्पिक आपूर्ति, वाहनों की व्यवस्था, खाद्यान्न तथा पेयजल की आपूर्ति एवं उपचार व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिला स्तरीय कंट्रोल रूम में 24 घंटे कर्मचारी तैनात रहें। कंट्रोल रूम को शीघ्र सक्रिय करें। अतिवृष्टि की स्थिति में नदियों और बांधों के जल स्तर से संबंधित सूचनाओं को हर घंटे आदान-प्रदान सुनिश्चित करें। उत्तरप्रदेश के जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से भी सतत संपर्क में रहें। बांधों से पानी छोड़े जाने की स्थिति में निचले इलाकों को समय पर सूचना दें। सभी एसडीएम बाढ़ से बचाव तथा राहत कार्य में स्वयंसेवी संस्थाओं और आमजनों के सहयोग के लिए भी सचेत रहें। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले, सभी एसडीएम जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करके विभाग की ग्रेडिंग सुधारें : कलेक्टर

मुख्यमंत्री जी के दौरे की सभी तैयारियाँ समय रहते पूरी करें : कलेक्टर

रीवा,कासं.। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की विभागवार समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेकर सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों निराकरण करें। प्रकरणों के संतुष्टिपूर्वक निराकरण करके विभाग की ग्रेडिंग सुधारें। ग्रेडिंग में सी और डी श्रेणी में रहने वाले विभागों के अधिकारियों पर कार्यवाही की जाएगी। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में भी अभी 1694 आवेदन लंबित हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक संचालक हथकरघा, अधीक्षण यंत्री विद्युत मण्डल तथा जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग लंबित प्रकरणों का तीन दिवस में निराकरण करें। जिला शिक्षा अधिकारी तीन दिवस में लंबित प्रकरणों का निराकरण करके विभाग को ए ग्रेड में ले जाएं।

कलेक्टर ने कहा कि 4 जून को गंगेव में स्वसहायता समूह सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शामिल होंगे। मुख्यमंत्री जी के दौरे के लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी दे दी गई है। सभी अधिकारी दौरे की तैयारियाँ समय पर पूरी कर लें। कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग हेलीपैड निर्माण तथा सभास्थल में बेरिकेडिंग का कार्य आज ही पूरा करा दें। कलेक्टर ने अधिकारियों को सम्मेलन में आने वालों की बैठक व्यवस्था, वाहनों की पार्किंग, पेयजल व्यवस्था, साफ-सफाई, मंच व्यवस्था, साउंड सिस्टम, बिजली की आपूर्ति तथा सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि खाद्य सुरक्षा योजना के अपात्र और मृत हितग्राहियों की सूची ग्राम पंचायतवार उपलब्ध करा दी गई है। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दो दिवस में सभी अपात्र व्यक्तियों के नाम पोर्टल से पृथक कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। हितग्राहियों के समग्र ई केवाईसी की प्रगति भी संतोषजनक नहीं है। रोजगार सहायकों के माध्यम से सात दिवस में शत-प्रतिशत ई केवाईसी सुनिश्चित करें। जिला प्रबंधक ई गवर्नेंस तथा श्रम पदाधिकारी सभी विकासखण्डों में ग्राम पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों की बैठक लेकर उन्हें विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन और ई केवाईसी के संबंध में प्रशिक्षण दें।

कलेक्टर ने जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग को छात्रावासों की साफ-सफाई और सुधार के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि छात्रावास की प्रत्येक सीट पर विद्यार्थी का प्रवेश सुनिश्चित करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी आयुष्मान कार्ड का कवरेज बढ़ाएं। सभी एसडीएम वनाधिकार अधिनियम के तहत ग्राम स्तर और खण्ड स्तर की समितियों की बैठक कराकर शेष प्रकरणों का निराकरण करके प्रतिवेदन 10 जून तक जिला स्तरीय समिति को प्रस्तुत करें। बैठक में कलेक्टर ने स्वामित्व योजना तथा नलजल योजनाओं से स्कूल एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में पानी की आपूर्ति के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में स्वीकृत जल संरक्षण के सभी कार्य 10 जून तक अनिवार्य रूप से पूरे कराएं। जल संरक्षण की सभी गतिविधियों की अच्छी फोटोग्राफ के साथ जनसम्पर्क कार्यालय के माध्यम से प्रचार-प्रसार कराएं।

जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आदर्श ग्राम योजना में आवंटित राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र दो दिवस में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। बैठक में आपदा प्रबंधन के लिए की जा रही तैयारियों की भी समीक्षा की गई। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

धान और हाइब्रिड धान में खाद के संतुलित उपयोग की सलाह

रीवा,कासं.। उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने किसानों को धान और हाइब्रिड धान में खाद के संतुलित उपयोग की सलाह दी है। उप संचालक ने कहा है कि सभी किसान अपने खेत की माटी की जाँच करा लें। इससे प्राप्त मृदा स्वास्थ्य कार्ड में खेत की माटी में पाए जाने वाले पोषक तत्वों और कमी की जानकारी दर्ज रहती है। साथ ही उसमें फसल के अनुसार खाद के संतुलित उपयोग की भी मात्रा लिखी रहती है। उसी के अनुसार खाद का उपयोग करें। अधिक मात्रा में खाद का उपयोग किसान के लिए आर्थिक बोझ होने के साथ-साथ फसल और मिट्टी के लिए भी हानिकारक होता है। धान की सामान्य किस्म के लिए प्रति हेक्टेयर चार बैग चार किलो यूरिया और एक बैग 37 किलो डीएपी का उपयोग करें।

इसके विकल्प के रूप में चार बैग 37 किलो यूरिया और पाँच बैग सिंगल सुपर फास्फेट अथवा चार बैग पाँच किलो यूरिया और दो बैग 25 किलो 12-32-16 खाद का उपयोग कर सकते हैं। इसके अन्य विकल्प के रूप में चार बैग तीन किलो यूरिया, तीन बैग सिंगल सुपर फास्फेट और दो बैग 16-16-16 खाद का उपयोग भी किया जा सकता है। उप संचालक ने बताया कि शंकर अथवा हाइब्रिड धान के लिए 22 किलो यूरिया एवं दो बैग 9 किलो डीएपी का उपयोग करें। इसके विकल्प के रूप में पाँच बैग 36 किलो यूरिया एवं सात बैग 25 किलो सिंगल सुपर फास्फेट का उपयोग किया जा सकता है।

जिले में 1043806 हितग्राहियों का ई केवाईसी हुआ अपडेट

रीवा,कासं.। खाद्य सुरक्षा योजना से लाभान्वित सभी हितग्राहियों के ई केवाईसी अपडेशन का कार्य लगातार किया जा रहा है। इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश तांडेकर ने बताया कि जिले में खाद्य सुरक्षा योजना से लाभान्वित परिवारों के 12 लाख 48 हजार 209 सदस्य राशन मित्र पोर्टल पर दर्ज हैं। इन सभी सदस्यों का ई केवाईसी दर्ज कराने तथा मृतक एवं स्थाई रूप से पलायन कर गए व्यक्तियों के नाम पृथक करने की कार्यवाही 31 मई तक की गई।

केवाईसी कराने के लिए उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन पीओएस मशीन के माध्यम से हितग्राहियों का ई केवाईसी अपडेट कर रहे हैं। ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक और नगरीय क्षेत्रों में वार्ड प्रभारी भी ई केवाईसी अपडेट कर रहे हैं। एप के माध्यम से हितग्राही को स्वयं ई केवाईसी दर्ज कराने की भी सुविधा दी गई है।

इसके अलावा कॉमन सर्विस सेंटर तथा मोबाइल ऐप में भी ई केवाईसी अपडेशन की सुविधा उपलब्ध है। जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश तांडेकर ने बताया कि एक जून तक जिले में 10 लाख 43 हजार 806 हितग्राहियों की ई केवाईसी की जा चुकी है।

यह कुल हितग्राहियों का 84 प्रतिशत है। जिसमें जनपद पंचायत गंगेव में 135182, जवा में 128820, रायपुर कर्चुलियान में 167143, रीवा में 168732, सिरमौर में 180174, त्योंथर में 123142 हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेट की जा चुकी है। नगरीय निकायों में नगर निगम रीवा में 67330, नगर परिषद डभौरा में 13638, बैकुण्ठपुर में 6071, चाकघाट में 5871, गोविंदगढ़ में 7173, गुढ़ में 9052, मनगवां में 7392, सेमरिया में 8696, नगर परिषद सिरमौर में 5875 तथा नगर परिषद त्योंथर में 9515 हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेट की जा चुकी है।

जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि अब तक पोर्टल से अपात्र और मृत 46576 हितग्राहियों के नाम स्थानीय निकायों द्वारा पृथक किए गए हैं। इनके नाम हटाने की कार्यवाही लगातार की जा रही है। एक जून को 4822 नाम हटाए गए।

कस्टम मिलिंग की राशि नहीं मिलने पर मिलर्स अतिशेष धान खरीदने में नहीं दिखा रहे रूचि

32 लाख मिट. टन धान खरीदी के लिए नहीं ले रहे रूचि

मार्कफेड ने प्राइस मेचिंग के आधार पर धान खरीदी करने के लिए दोबारा निकाला टैंडर

रायपुर, कासं.। राज्य सरकार द्वारा धान खरीदी के लिए नोडल एजेंसी मार्कफेड ने अतिशेष 35 लाख मि. टन क्विंटल से अधिक अतिशेष धान खरीदी के लिए टैंडर जारी कर दिया है। प्राइस मेचिंग रेट पर धान खरीदी के लिए निकाले गये टैंडर में राइस मिलर्स तैयार नहीं हो रहे हैं। राइस मिल के मालिकों का कहना है कि हमें कस्टम मिलिंग का पैसा नहीं मिल रहा है इसलिए राइस मिलर्स लामबंद हो गये हैं। मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश शासन द्वारा मंत्रिमंडल उपसमिति गठित की गई है। जिसमें अतिशेष धान खरीदी का मूल्य तय किया गया है जिसके अनुसार अतिशेष धान प्रतिक्विंटल 19 सौ रुपये में बेचा जाएगा। वैसे तो सरकारी समर्थन मूल्य 2120 है और बोनस मिलाकर यह करीब 31 सौ रुपये प्रति क्विंटल पड़ता है। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष 130 लाख मिटरिक टन धान की खरीदी कर ली गई है इनमें से 40 लाख टन का उठाव भंडारन केंद्रों से नहीं हो रहा है। मार्कफेड द्वारा भंडारन केंद्रों से धान का उठाव एवं नीलामी के लिए टैंडर जारी किया गया था जिसमें रायपुर राजनांदगांव दुर्ग एवं बालोद के राइस मिलरों ने अपनी रूचि दिखाई है। अभी तक 10 स्टेग धान बिक पाया है। जिसकी औसत गणना के अनुसार 12 लाख होता है। शेष धान की बिक्री नहीं हो पाई है। यह दूसरी बार है कि टैंडर जारी किया गया है।

बरसात होते ही करोड़ों मूल्य का धान खराब होगा

मार्कफेड के अधिकारियों के अनुसार इस समय विभिन्न धान भंडारण केंद्रों में धान पड़ा हुआ है। लेकिन इसकी बिक्री नहीं हो पा रही है। नीलामी की बार बार तिथि तय की जाती है लेकिन व्यापारी नहीं आ रहे हैं। राइस मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष के अनुसार धान खरीदी के लिए व्यापारी उत्सुक है लेकिन कस्टम मिलिंग के लिए जो राशि दी जाती है वह नहीं जा रही है जिसके कारण व्यापारी परेशान है। व्यापारियों के अनुसार धान खरीदी एवं मिलिंग के लिए सरकार द्वारा रेट तय किया गया है लेकिन वह अभी नहीं दिया जा रहा है जिससे मिल मालिकों की हालत खस्ता हो रही है। राइस मिल के संचालकों ने शासन अपील की है कि सरकार शीघ्र ही इसका हल निकाले। बरसात का सीजन शुरू हो गया है ऐसे में धान का अंकुरण प्रारंभ हो जाएगा और लाखों रुपये का धान खराब हो जाएगा। इधर शराब निर्माता कंपनी भी धान खरीदी के लिए उत्सुक है लेकिन पहले इसकी सफाई करना होगा इसके पश्चात ही इससे अन्य उत्पाद बनाए जाएंगे।

महतारी वंदन योजना के फॉर्म भरने का मिलेगा एक और मौका, सीएम ने की घोषणा

रायपुर, कासं.। छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना के फॉर्म फिर से भरे जाएंगे। सीएम विष्णुदेव साय ने इसकी घोषणा की है. फिलहाल राज्य की करीब 70 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल रहा है। छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी है. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक सामाजिक कार्यक्रम के दौरान घोषणा की है कि महतारी वंदन योजना से वंचित महिलाओं को जल्द ही फिर से फॉर्म भरने का मौका मिलेगा। फिलहाल राज्य की करीब 70 लाख महिलाएं इस योजना का लाभ उठा रही है। मुख्यमंत्री के इस ऐलान से उन महिलाओं में भी उम्मीद जगी है जो किसी कारण से पहले चरण में आवेदन नहीं कर पाई थीं। यह कदम महिला सशक्तिकरण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और यह भी संकेत देता है कि योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र महिलाओं तक पहुंचाया जाएगा।

फिर से भरा जाएगा महतारी वंदन योजना का फॉर्म

दरअसल, छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना से छूटी महिलाओं के लिए राहत भरी खबर है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक सामाजिक कार्यक्रम में घोषणा की कि योजना के फॉर्म जल्द ही फिर से भरे जाएंगे। फिलहाल योजना से राज्य की करीब 70 लाख महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है. छूटी हुई पात्र महिलाओं के लिए फिर से आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर सरकार सामाजिक समावेशन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रही है, इससे ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को लाभ मिलेगा।

क्या है महतारी वंदन योजना?

बता दें कि महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ सरकार की एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा पहल है, जिसका उद्देश्य राज्य की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस योजना के अंतर्गत महिलाओं को प्रतिमाह? 1,000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है. यह राशि सीधे लाभार्थी महिलाओं के बैंक खातों में स्थानांतरित की जाती है, जिससे पारदर्शिता और सुविधा दोनों सुनिश्चित होती है।

कुम्हारी टोल प्लाजा को लेकर बढ़ा विवाद, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने गडकरी से की मुलाकात

रायपुर, कासं.। छत्तीसगढ़ के कुम्हारी टोल प्लाजा में जारी अवैध वसूली का मामला अब गर्मा गया है। कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय इस मुद्दे को लेकर लगातार सक्रिय हैं। उन्होंने पहले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और राज्य के 10 भाजपा सांसदों को पत्र लिखकर टोल प्लाजा को बंद कराने की मांग की थी।

इसके बाद उन्होंने इस अवैध वसूली के विरोध में जोरदार प्रदर्शन भी किया। रविवार को विकास उपाध्याय ने नागपुर पहुंचकर केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। उन्होंने मंत्री को बताया कि कुम्हारी टोल प्लाजा का टेंडर खत्म हो चुका है, बावजूद इसके वहां अवैध रूप से वसूली की जा रही है। उन्होंने गडकरी को एक ज्ञापन भी सौंपा। उपाध्याय ने मंत्री से चर्चा के दौरान यह भी कहा कि नियमों के अनुसार 60 किलोमीटर की परिधि में दो टोल प्लाजा संचालित नहीं हो सकते, लेकिन छत्तीसगढ़ में इस नियम की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि न सिर्फ कुम्हारी, बल्कि प्रदेश में कई ऐसे टोल प्लाजा हैं जो इस नियम का उल्लंघन कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए जल्द ही कुम्हारी टोल प्लाजा को बंद करने की कार्रवाई का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने छत्तीसगढ़ के अन्य टोल प्लाजा की जानकारी भी मंगवाने और आवश्यक कदम उठाने की बात कही। पूर्व विधायक ने बताया कि बीते कई वर्षों से वे इस टोल प्लाजा को बंद कराने के लिए आंदोलन कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं के साथ मिलकर उन्होंने ह्ल्ख्रढ्ढ कार्यालय का घेराव किया, सांसदों को पत्र लिखा, जनता के बीच हस्ताक्षर अभियान चलाया और विभिन्न तरीकों से विरोध प्रदर्शन किया। विकास उपाध्याय ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही कुम्हारी टोल प्लाजा को बंद नहीं किया गया और 60 किलोमीटर के दायरे में संचालित अन्य टोल प्लाजा पर कार्रवाई नहीं हुई, तो दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना देंगे और नागपुर स्थित गडकरी के निवास के बाहर प्रदर्शन करेंगे।

मितानीन बहनों का किया विधायक ने किया सम्मान

रायपुर, कासं.। रायपुर दक्षिण विधायक पुरंदर मिश्रा ने मितानीन बहनों को साड़ी वितरण कर उन्हें सम्मानित किया। इससे पहले मिश्रा ने लोगों के स्वास्थ्य, कल्याण और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को बरसात के मौसम में बीमारियों की रोकथाम के लिए सक्रिय भूमिका निभाग के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश शुरू होने से पहले वार्डों का सर्वे कर यह जानकारी लें कि उन्हें सरकारी योजना का लाभ मिला है या नहीं। इसके लिए प्रत्येक लाभार्थी की जानकारी फॉर्म में भरकर संकलित की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि शासन की सभी योजनाएं जरूरतमंदों तक पहुंचे।

जल भराव को रोकने नालों की साफ-साफाई एवं पुल मरम्मत करने महापौर का निर्देश

रायपुर, कासं.। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम जोन 5 के अंतर्गत भक्त माता कर्मा वार्ड क्रमांक 67 के क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न स्थानों का निरीक्षण बारिश के पूर्व नाले - नालियों की सफाई व्यवस्था और विभिन्न कार्यों को लेकर स्थल का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर महापौर के साथ स्थानीय पार्षद तथा अन्य अधिकारी माजूद थे नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार वार्ड 67 पार्षद श्रीमती ममता सोनू तिवारी, जोन 5 जोन कमिश्नर खीरसागर नायक, कार्यपालन अभियंता लाल महेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक अभियंता नागेश रामटेके, जोन स्वास्थ्य अधिकारी संदीप वर्मा, उप अभियंता सर्वसंस्कार शर्मा, टिकेन्द्र चंद्राकर, अंकुर शर्मा एवं अन्य सम्बंधित जोन अधिकारियों की उपस्थिति में किया. कार्य की स्थल समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए. महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने लोहार चौक भाठागांव के समीप निकास सुगम बनाने पुलिया की आवश्यक मरम्मत शीघ्र करवाने, चंगोराभाठा शीतला तालाब की सफाई और सौंदर्यीकरण हेतु आवश्यक प्रस्ताव शीघ्र भेजने के निर्देश दिए है। महापौर ने वार्ड पार्षद और जोन कमिश्नर की उपस्थिति में विनायक कॉलोनी के क्षेत्र में उद्यान का निरीक्षण कर उसे सुव्यवस्थित करने के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए हैं. महापौर ने बारिश के पूर्व सभी नालों और नालियों में तले तक लद्दी निकालकर मुहाने खोलकर गन्दे पानी की सुगम निकासी पूर्वनिश्चित करने निर्देशित किया है, ताकि बारिश में नागरिकों को जलभराव की समस्या का सामना ना करना पड़े।

संक्षिप्त समाचार

सूने मकान से नकदी साढ़े 3 लाख पार

रायपुर,कासं.। गांधी नगर बीरगांव स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने नकदी साढ़े 3 लाख रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी जेठुराम साहू 56 वर्ष गांधी नगर बीरगांव का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी 3 लाख 50 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

दुकान संचालक के खिलाफ अमानत का ख्यानत का मामला दर्ज

रायपुर,कासं.। नया बस स्टेण्ड भाठागांव स्थित मोबाइल दुकान के संचालक ने रिपेयर के लिए आए आईफोन को बेच दिया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अनुज साहू 25 वर्ष वकील कालोनी कोतवाली का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि वह अपनी आईफोन को सुधरवाने नया बस स्टेण्ड भाठागांव स्थित मोबाइल शॉप में दिया था और ऑनलाइन 3 हजार रुपए पेमेंट भी किया। जिसके बाद आरोपी दुकान संचालक रिषि साहू ने आईफोन को किसी दूसरे को बेच दिया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने आरोपी दुकान संचालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अलग-अलग क्षेत्र से दो दोपहिया वाहन पार

रायपुर,कासं.। धरसींवा और खमतराई थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने दो दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम गिरौद निवासी राजली निषाद 40 वर्ष ने धरसींवा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 केबी 3260 को अपने घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं प्रेमनगर गुढ़ियारी निवासी राजेन्द्र साहू 22 वर्ष ने खमतराई थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 24 एफ 0938 को शिवानंद नगर के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

ट्रांसफार्मर पर काम करते वक्त करंट की चपेट में आया ठेका श्रमिक, हालत गंभीर

रायपुर,कासं.। जिले के फिंगेश्वर नगर में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब ट्रांसफार्मर पर काम करते समय एक ठेका श्रमिक करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। 28 वर्षीय वेद राम साहू, जो कि सेंदर गांव का निवासी है, डीओ (ड्रॉपआउट फ्यूज) लगाने के दौरान हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना के वक्त ट्रांसफार्मर में अचानक 33 केवी की विद्युत आपूर्ति चालू हो गई, जिससे वेद राम के दोनों पैरों से घुटनों के नीचे तक चिंगारी और धुआं उठने लगा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से झुलसे युवक को तत्काल फिंगेश्वर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर के कालड़ा बर्न हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। डॉक्टर विपिन लहरे के मुताबिक, घायल के दोनों पैर बुरी तरह जल चुके हैं और सिर में भी गंभीर चोट की आशंका है। युवक की स्थिति नाजुक बनी हुई है। चौंकाने वाली बात यह है कि यह कार्य न तो किसी आधिकारिक परमिट के तहत किया जा रहा था, और न ही वेद राम इस कार्य के लिए प्रशिक्षित या विभागीय कर्मचारी थे।

खेल/व्यापार

आईपीएल तक पहुंचने वाले गाजीपुर के पहले खिलाड़ी हैं अश्वनी

लखनऊ, (ए.)। आईपीएल में के इस सत्र में गाजीपुर के अश्वनी राय सनराइजर्स हैदराबाद के नेट गेंदबाज के तौर पर उतरे। एक छोटे से शहर से निकलकर आईपीएल जैसी बड़ी लीग में जगह बनाने वाले अश्वनी पहले खिलाड़ी हैं। सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें आईपीएल 2025 सत्र के लिए नेट बॉलर के रूप में शामिल किय था। अश्वनी को भले ही खेलने का अवसर नहीं मिला पर उन्होंने अपनी पहचान जरुर बनायी है। 17 साल के अश्वनी दाएं हाथ के मध्यम तेज गति के गेंदबाज हैं। उनकी गेंदबाज़ी में ताकत धीमी और ऑफ-कटर गेंदें हैं। अभ्यास सत्र में उन्होंने ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा और कप्तान पेट कमिंस जैसे बड़े बल्लेबाज़ों को गेंदबाज़ी की जिससे उनका मनोबल बढ़ा है। अश्वनी के अनुसार अभिषेक शर्मा ने उनकी धीमी ओन वाली गेंदों की प्रशंसा की। इसके साथ ही तेज गेंदों पर भी ध्यान देने को कहा। इस सत्र में डेनियल विटोरी जैसे अनुभवी गेंदबाजी कोच की सला भीअश्वनी को मिली। उन्हें कलाई की पोजिशन और रनअप पर विशेष टिप्स मिले। उन्होंने हर दिन सुबह 3 से 9 बजे तक अभ्यास किया। अश्विनी के अनुसार इस सफर में उन्हें माता-पिता से भी पूरा सहयोग मिला। गाजीपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष शाश्वत सिंह, ने भी उनकी सहायता करते हुए सनराइजर्स से जुड़ने का अवसर दिलाया। उनके यहां तक के सफर में कोच से मिली तकनीकी और मानसिक मजबूती की सलाह भी फायदेमंद रही। अब अश्वनी रणजी ट्रॉफी, इंडिया ए और आगे चलकर भारतीय टीम में जगह बनाना चाहते हैं हालांकि ये भी कहा कि ये इतना आसान नहीं होगा।

आईपीएल - श्रेयस तीन टीमों में फाइनल में पहुंचाने वाले पहले कप्तान बने

मुम्बई, (ए.)। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने पंजाब किंग्स के आईपीएल फाइनल में पहुंचने ही एक महत्वपूर्ण रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। श्रेयस पहले ऐसे कप्तान बन गये हैं जो तीन टीमों को अपनी कप्तानी में फाइनल तक पहुंचाने में सफल रहे हैं। वहीं अब तक कोई भी ऐसा कप्तान आईपीएल में नहीं हुआ, जिसने एक से ज्यादा बार टीम को फाइनल में पहुंचाया है। श्रेयस की कप्तानी में साल 2020 में दिल्ली कैपिटल्स की टीम फाइनल तक का पहुंची थी। फाइनल में हालांकि उसे मुंबई इंडियंस से हार मिली थी। इसके तीन साल बाद 2024 में श्रेयस अय्यर ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेकआर) को अपनी कप्तानी में ना सिर्फ फाइनल में पहुंचाया था।

पाक के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर पर भड़के नौमान

कराची, (ए.)। अपने विवादास्पद बयानों के लिए सुर्खियों में रहने वाले पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर की मुश्किलें बढ़ सकती है। शोएब पर पाक के जाने-माने क्रिकेट इतिहासकार और लेखक डॉ. नौमान नियाज ने अपमानजनक टिप्पणी के लिए कानूनी कार्रवाई शुरु करते हुए नोटिस भेजा है। पाक के सरकारी स्वामित्व वाले पाकिस्तान टेलीविजन नेटवर्क (पीटीवी) के पूर्व खेल निदेशक डॉ. नियाज के वकील ने यह नोटिस भेजा है। उनका आरोप है कि शोएब ने उन्हें सामान ढोने वाला व्यक्ति करार दिया था। उनके पाकिस्तान टीम के साथ कार्यकाल के दौरान उन्हें 'किट मैन बताया था।

शोए ने कहा कि डॉ. नियाज मूल रूप से टीम में हमारे लिए बैग और सामान ढोते थे। गौरतब है कि अख्तर जब पाकिस्तान टीम के खेलते थे तब डॉ. नियाज ने कुछ दौरों पर पाकिस्तान टीम के डेटा विश्लेषक के रूप में भी काम किया था। अख्तर ने टीम में कोचों और प्रबंधकों की भूमिका की का मजाक उड़ाते हुए कहा कि नियाज खिलाड़ियों के बैग ढोने के लिए टीम में थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने टीम में यही काम किया। मुझे उनके किसी और काम के बारे में जानकारी नहीं है।

वहीं नियाज के वकील ने इस नोटिस में 14 दिन के भीतर बिना शर्त माफी मांगने की शीर्त रखी है। वहीं ऐसा नहीं करने पर उन्हें कानूनी कार्रवाई और हर्जाने का सामना करने के लिए तैयार रहने को कहा है। इन दोनों के बीच पहले भी विवाद रहा है। इमरान खान की सरकार के समय में डॉ. नियाज ने मामूली विवाद के बाद अख्तर को लाइव शो छोड़ने के लिए कहा था हालांकि उन्होंने बाद में इस तेज गेंदबाज से माफी मांग ली थी।

विराट के पब वन8 कम्यून के खिलाफ मामला दर्ज

कर्नाटक, (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के पब, वन8 कम्यून के खिलाफ कर्नाटक में मामला दर्ज किया गया है। यह पब बेंगलुरु के रत्नम कॉम्प्लेक्स की छठी मंजिल पर बना हुआ है। पुलिस ने विराट के वन 8 कम्यून पब और रेस्टोरेंट के खिलाफ सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम के उल्लंघन के लिए बेंगलुरु में मामला दर्ज किया है।

पब पर इस अधिनियम की धारा 4 और 21 के तहत मामला दर्ज किया गया है क्योंकि रेस्टोरेंट में धूम्रपान के लिए कोई अगल क्षेत्र नहीं है। पब में धूम्रपान क्षेत्र को लेकर जरूरी नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। इस अधिनियम के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान के लिए सख्त नियम निर्धारित किए थे, और इनका पालन न करना अपराध माना जाता है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी वन 8 कम्यून को कार्रवाई का सामना करना पड़ा था। पिछले साल जून में भी इस पर एफआईआर दर्ज की गई थी। बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका ने भी दिसंबर में रेस्टोरेंट को अग्निशमन विभाग से एनओसी न लेने के लिए नोटिस जारी किया था।

सोने के भाव में तेजी, चांदी ने भी दिखाई चमक

- सोने के भाव 96,150 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी लगभग 97,200 रुपए

नई दिल्ली, (ए.)। सोने-चांदी के वायदा भाव सोमवार कारोबार की शुरुआत में तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोमवार को सोने के भाव 96,150 रुपये, जबकि चांदी के भाव 97,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना-चांदी तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 256 रुपये की तेजी के साथ 96,131 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 95,875 रुपये था। इस समय यह 255 रुपये की तेजी के साथ 96,130 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 361 रुपये की तेजी के साथ 97,376 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 97,015 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रैक्ट 170 रुपये की तेजी के साथ 97,185 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,296.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,288.90 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 17.70 डॉलर की तेजी के साथ 3,306.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.13 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 33.02 डॉलर था। इस समय यह 0.12 डॉलर की तेजी के साथ 33.14 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

आरबीआई रेपो रेट में कर सकता है 0.25 फीसदी कटौती!

- मौद्रिक नीति समिति की इस हफ्ते बैठक होगी

नई दिल्ली, (ए.)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की 6 सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति रेपो दर में 25 आधार अंक की और कटौती कर उसे 5.75 फीसदी कर सकती है। एक सर्वेक्षण में शामिल 10 में से 9 प्रतिभागियों ने रेपो में 25 आधार अंक की कटौती की उम्मीद जताई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को तो उम्मीद है कि जून की बैठक में रेपो दर में 50 आधार अंक की कमी की जा सकती है। मौद्रिक नीति समिति की इस हफ्ते बैठक होगी और निर्णय की घोषणा शुक्रवार को होगी। सर्वेक्षण में शामिल सभी 10 प्रतिभागियों ने कहा कि आरबीआई वित्त वर्ष 2026 के लिए हेडलाइन यानी समग्र मुद्रास्फीति अनुमान को 4 फीसदी से कम कर सकता है। अप्रैल की बैठक में इसके 4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया था। अप्रैल की बैठक में भी आरबीआई ने रेपो दर में 25 आधार अंक की कटौती की थी और इससे पहले फरवरी में भी रीपो दर 25 आधार अंक घटाई गई थी। अप्रैल में आरबीआई ने मौद्रिक नीति का रुख बदलकर समायोजन वाला यानी उदार कर दिया था जिससे संकेत मिलता है कि केंद्रीय बैंक का ध्यान वृद्धि को सहारा देने पर है। प्रतिभागियों ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति के 4 फीसदी से नीचे बने रहने का अनुमान है। ऐसे में मौद्रिक नीति समिति उदार रुख को बरकरार रखेगी। वित्त वर्ष 2026 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का अनुमान 3 से 3.5 फीसदी के दायरे में रह सकता है। एक अर्थशास्त्री ने कहा ?कि खाद्य पदार्थों के दाम में नरमी को देखते हुए खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026 के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को 4 फीसदी से घटाकर 3.8 फीसदी किया जा सकता है। प्रतिभागियों को उम्मीद है कि आरबीआई अमेरिकी शुल्क के संभावित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए वित्त वर्ष 2026 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के वृद्धि अनुमान को 6.5 फीसदी पर बनाए रखेगा। वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर सुधरकर 7.4 फीसदी रही और पूरे वित्त वर्ष में वृद्धि दर 6.5 फीसदी रही।

किशोर सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत सेवा प्रदाताओं का प्रशिक्षण आयोजित

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, किशोर सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत सीएमएचओ कार्यालय श्योपुर में कराहल और श्योपुर विकासखंड के स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसके माध्यम से जिले की 20 पंचायतों में बाल-किशोर अनुकूल स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने के लिए कार्यक्रम चलाये जा रहे है। मध्य प्रदेश में किशोरों की स्थिति और चुनौतियों पर डीसीएम श्री अमित श्रीवास ने प्रतिभागियों का मार्ग दर्शन किया। बाल संरक्षण और विभिन्न कानूनों पर विधि सह परिवीक्षा अधिकारी श्री वीके गुप्ता द्वारा सत्र लिया गया तथा बालकों के कल्याणार्थ योजनाओं की जानकारी के साथ प्रतिभागियों के सवालों का निदान किया गया। ममता संस्था के जिला समन्वयक श्री लल्लन प्रसाद गोंड ने जेंडर पर प्राथमिक सत्र में बताया कि जेंडर के कारण महिला पुरुषों में होने वाले प्रभावों का निदान किस प्रकार किया जायें। उन्होने बताया कि आगामी नियोजन के तौर पर ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस को प्रभावी बनाकर सेवाओं के साथ स्वास्थ्य शिक्षा भी प्रदान की जाएगी।

किशोरों के साथ सत्र आयोजन की विधियां भी बताई गईं। इस अवसर पर बीसीएम श्री नीतू तोमर, श्री नवीन यादव, सीएचओ, एएनएम, आशा सुपरवाइजर और आशाएं उपस्थित रहीं।

सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का सकारात्मक निराकरण करें-सीईओ, समय सीमा की बैठक आयोजित

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर ने निर्देश दिये कि सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का निराकरण सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ किया जायें। सभी विभागीय अधिकारी अपनी विभागीय ग्रेडिंग में ए-ग्रेड का लक्ष्य पूर्ण करें। सीईओ जिला पंचायत श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर ने निर्देश दिये कि सीएम हेल्पलाइन में श्योपुर जिले की रैकिंग गत माह 17 रही, उन्होने कहा कि टॉप-10 रैकिंग में आने के लिए विभागीय अधिकारी शिकायतों का त्वरित रूप से निराकरण करें तथा शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल एल-1 स्तर पर उचित जवाब भरें। उन्होने निर्देश दिये कि 50 दिवस से अधिक लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किया जायें। विभागीय अधिकारी कोर्ट प्रकरणों में जवाब दावे समय सीमा में प्रस्तुत करें तथा उसकी प्रति संबंधित शाखा को उपलब्ध कराई जायें। बैठक में डिप्टी कलेक्टर श्री संजय जैन, सहित विभिन्न विभागो के अधिकारी उपस्थित थे।

रोजगार-स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में श्योपुर जिला नंबर-वन

कलेक्टर को मिला प्रशस्ती पत्र

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा रोजगार एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में युवाओं को अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने के प्रयासों एवं पहल को प्रदेश स्तर पर सराहना मिली है। गत शुक्रवार 30 मई को निषादराज भवन श्योपुर में आयोजित रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिशशिप युवा संगम मेले के सफल आयोजन से श्योपुर जिला कौशल विकास अंतर्गत प्रदेश में नबंर-वन रहा है। श्योपुर जिले को रोजगार एवं स्वरोजगार उपलब्ध कराने में पूरे प्रदेश में पहला स्थान हासिल हुआ है। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मध्यप्रदेश शासन अंतर्गत रोजगार आयुक्त श्री गिरीश शर्मा की ओर से कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा को प्रशंसा पत्र प्रेषित किया गया है, जिसमें कहा गया है कि रोजगार एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में आकांक्षी युवाओं के लिए उल्लेखनीय कार्य किये गये है, जिसके तहत प्रदेश में श्योपुर जिले की रैंक नंबर-वन आई है। इसके लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के नेतृत्व की प्रशंसा की गई है। उल्लेखनीय है कि युवा संगम आयोजन को लेकर गत एक माह से कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा लगातार संबंधित अधिकारियों की बैठक एवं चर्चा करते हुए कार्यो की निगरानी और समीक्षा की जा रही थी। इसके साथ ही रोजगार के लिए विभिन्न कंपनियों की उपलब्धता के प्रयास भी किये जा रहे थे, जिसके सुखद परिणाम 30 मई को श्योपुर स्थित निषादराज भवन में आयोजित रोजगार मेले में देखने को मिले। रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिशशिप युवा संगम मेले के माध्यम से विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं में 1589 हितग्राहियों को 4 करोड 8 लाख 89 हजार रूपये की राशि का ऋष्ण वितरण किया गया। इसके तहत जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र की मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, पशुपालन विभाग की डेयरी एवं बकरी पालन योजनाएं, उद्यानिकी विभाग की प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना एवं जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति की डॉ भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना सहित एनआरलएम की सीसीएल प्रदाय योजना में हितग्राहियों को ऋष्ण प्रदान कर लाभान्वित किया गया। इसके साथ ही मेले में 12 से अधिक नियोजक कंपनियों द्वारा भाग लिया गया, जिनमें साईवेट प्रायवेट इंडिया लिमिटेड, मदरसन ऑटोमेटिव गुजरात, इंडियन एम्पलाइमेंट गुना, चैकमेट सर्विस प्रायवेट लिमिटेड गुजरात, गैल इस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स गुना, नौकरी फाई डाट कॉम प्रायवेट लिमिटेड नोएडा, बुचर हाईड्रोलिक्स जैसी कंपनियां शामिल हुई, जिन्होंने युवाओं को उनकी योग्यतानुसार विभिन्न पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से सीधे ही प्लेसमेंट किया। रोजगार एवं स्वरोजगार मेले के दौरान कुल 467 अभ्यर्थियों का पंजीयन किया गया तथा विभिन्न कंपनियों द्वारा साक्षत्कार के माध्यम से 252 युवाओं का प्रारंभिक चयन करते हुए 163 को जॉब ऑफर लेटर प्रदान किये गये। 163 लोगों को सीधे ही रोजगार मिलने जिले के लिए अपने आप में एक बडा एचीवमेंट है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा श्योपुर जिले में अपनी पदस्थी के साथ ही युवाओं के कौशल विकास उन्नयन एवं तकनीकी शिक्षा पर गंभीरता के साथ ध्यान दिया जा रहा है और इस दिशा में रोजगार एवं स्वरोजगार से जुडे विभागों की निरंतर समीक्षा की जा रही है। वर्तमान में रोजगार और स्वरोजगार के साथ ही जिले को तकनीकी शिक्षण संस्थानों आईटीआई, पॉलीटेक्निक में युवाओं को प्रवेश के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे वे तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर कौशल विकास के साथ न केवल तकनीकी क्षेत्र में अपना कैरियर बना सकें, बल्कि स्वरोजगार के क्षेत्र में उद्योग स्थापित कर जिले के अन्य युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में अपना सक्रिय योगदान दे सकें। उन्होने युवा उद्यमियों से अपेक्षा की है कि वे शासन की स्वरोजगार मूलक योजनाओं का लाभ उठाते हुए जिले में बडे उद्योग स्थापित करें।

किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी देने ग्रामों में पहुंचा दल

विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत किसानों को दी जानकारी

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में श्योपुर जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत गठित टीमों द्वारा किसानों को गांव-गांव जाकर खेती, किसानी की उन्नत तकनीको एवं नवाचारों से अवगत कराया जा रहा है। कृषि वैज्ञानिक डॉ कायम सिंह ने बताया कि इसी क्रम में निर्धारित कार्यक्रम अनुसार कृषि विज्ञान केन्द्र बड़ौदा के वैज्ञानिको सहित कृषि, पशुपालन, मत्स्य, उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों तथा प्रगतिशील कृषको, एफपीओ के प्रतिनिधियों की टीम द्वारा विकासखण्ड श्योपुर के ग्राम जावदेश्वर, जैनी एवं मानपुर में पहुंचकर 423 किसानों के मध्य मध्यप्रदेश शासन के द्वारा चलाई जा रही किसान हितैषी योजनाओं एवं कृषि की उन्नत तकनीकी को विस्तार से समझाया गया। इस अवसर पर कीटनाशक छिडकाव के लिए ड्रोन स्प्रे का प्रदर्शन कर किसानों को इसके उपयोग के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। विकासखण्ड कराहल के दल द्वारा ग्राम गोरस, पिपरानी एवं कर्राई में पहुंचकर 385 किसानों को जानकारी प्रदान की गई। इसी प्रकार विकासखण्ड विजयपुर के दल द्वारा ग्राम इकलोद, लाडपुरा एवं लोहसगानी ग्रामों के मध्य पहुंचकर 242 किसानों को योजनाओं के संबंध में अवगत कराया गया और खरीफ फसल की विभिन्न किस्मो सहित फसलो के विविधिकरण एवं रासायनिक खाद के संतुलित उपयोग की जानकारी देते हुए प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके साथ ही किसानों को मिट्टी परीक्षण एवं उसके महत्व, नरवाई न जलानें एवं उससे होने वाले नुकसान को विस्तार से समझाया गया, वही फसलों की उन्नत तकनीकी के माध्यम से ज्वार, बाजरा, मक्का, तिल जैसी फसलों के उत्पादन की सलाह दी गई।

मंगलवार को इन ग्रामों में पहुंचेगी टीमें

श्योपुर विकासखण्ड की टीम द्वारा 03 जून को ग्राम जैदा, इच्छापुरा एवं नगदी में भ्रमण कर जानकारी प्रदान की जायेगी। विकासखण्ड कराहल की टीम 03 जून को बुढेरा, डोब एवं सिमरोनिया का भ्रमण करेंगी। इसी प्रकार विजयपुर विकासखण्ड की टीम सिमरई, नयागांव एवं सारंगपुर में किसानों को खेती की नवीन तकनीकी तथा उन्नत फसलों के संबंध में अवगत करायेगी।

सीएमएचओ ने मलेरिया जन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मुरैना,कांस। मुरैना जिले से मलेरिया जन जागरूकता रथ को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पदमेश उपाध्याय ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के समस्त विकासखंड के मलेरिया प्रभावित चिन्हित ग्रामों में जाकर लोगों को मलेरिया एवं अन्य मच्छर जनित बीमारी से बचाव, रोकथाम, इलाज के बारे में जागरूक करेगा। राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रत्येक वर्ष माह जून मलेरिया निरोधक माह के रूप में मनाया जाता है। मानसून के प्रारम्भ होने व मानसून के पश्चात् मच्छरों के उत्पत्ति स्थल बढ़ जाने के कारण मलेरिया जन्य परिस्थितियाँ निर्मित हो जाती हैं एवं मलेरिया का प्रसार अधिक होने लगता है। इसी तारतम्य में मानसून प्रारम्भ होने के पूर्व जून माह में यह आवश्यक है कि मच्छरों के उत्पत्ति स्थलों के नियंत्रण एवं मलेरिया बीमारी की रोकथाम के सम्बन्ध में समस्त जानकारी जनप्रतिनिधियों एवं सामान्यजन में व्यापक रूप से दी जाती है, जिससे आगामी माहों में प्रभावी रूप से मलेरिया बीमारी की रोकथाम हो सके। मलेरिया निरोधक माह का आयोजन मात्र मलेरिया बीमारी के नियंत्रण के उपाय के लिये ही नहीं, बल्कि मच्छरजनित अन्य बीमारियों जैसे फाइलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया के प्रभावी नियंत्रण के लिये भी किया जाएगा। मलेरिया माह के कार्यक्रमों को जिला मुख्यालय या ब्लॉक मुख्यालय एवं इसका प्रचार-प्रसार गाँव-गाँव तक किया जाकर जनसामान्य की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु होगा। इस अवसर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आनंद बंसल, डॉ. एसके कारखुर, मीडिया ऑफीसर श्रीमती बसंती बाजौरिया, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. अजय गोयल, डीपीएम श्री एसपी श्रीवास्तव, सहायक मलेरिया अधिकारी डॉ. महेन्द्र यादव, जेएमआई श्री देवव्रत उपाध्याय, रवि सिकरवार, समस्त मलेरिया स्टाफ, फैमिली हेल्थ इन्डिया एम्बेड परियोजना जिला समन्वयक एवं अन्य कर्मचारी सहित स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आज

मुरैना। आगामी 07 जून को ईदुज्जुहा और 06 जुलाई को मोहर्रम त्यौहारों के अवसर पर कानून व्यवस्था एवं शांति बनाये रखने के लिये जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 03 जून, 2025 को सायं 05 बजे पुलिस अधीक्षक सभागार मुरैना में आयोजित की गई है। बैठक में सभी संबंधित शांति समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहेंगे।

समस्त सीएमओ चोक नाले नालियों की सफ़ाई करवायें, जलभराव की समस्या को गंभीरता से लें - कलेक्टर

निर्माण विभाग अधीनस्थ पुलिया, रपटा के दोनों तरफ़ चेतावनी बोर्ड लगवायें, नामान्तरण में पिछले सप्ताह सिंगल डिजिट में प्रोग्रेस करने वाले नायब तहसीलदार व तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस, ई-केवायसी में लक्ष्य पूर्ण न करने पर सीएमओ सबलगढ़ का 03, सीएमओ झुण्डपुरा, कैलारस का 7-7 दिन का वेतन काटने के निर्देश, कलेक्टर की अध्यक्षता में टीएल बैठक संपन्न

मुरैना,कांस। सभी तहसीलदार सीएम हेल्पलाइन की 50 दिवस से अधिक दिवस की लंबित शिकायतों का 50 प्रतिशत निराकरण करना सुनिश्चित करें। समस्त निर्माण विभाग उनके अधीनस्थ पुलियाओं के दोंनो तरफ स्पष्ट साइन बोर्ड लगवाए जाना सुनिश्चित करें।ई-केवायसी कैम्प के साथ 70 प्लस उम्र वाले लोगों की लिस्टिंग तैयार की जाये। कहीं भी जल भराव की समस्या न हो, इसके लिये समस्त चोक नाले-नालियों की सफाई करवाना,समस्त सीएमओ सुनिश्चित करें। लाइन ऑफीसर इस सप्ताह रविवार तक ई-ऑफिस कार्य कर लें। पुराने तालाब या नहर के आसपास कोई अतिक्रमण न हो। यह निर्देश कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार मुरैना में टाइम लिमिट की बैठक में अधिकारियों को दिये। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सीबी प्रसाद, नगर निगम आयुक्त, संयुक्त कलेक्टर, समस्त एसडीएम, जिला अधिकारी, सीएमओ, सीईओ, तहसीलदार उपस्थित थे। कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने आरसीएमएस पोर्टल की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान नामांतरण में पिछले सप्ताह सिंगल डिजिट में प्रोग्रेस करने वाले नायबतहसीलदार एवं तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि तहसीलों में जहाँ 100 से अधिक सीमांकन प्रकरण लंबित हों, वहां पर सीमांकन के लिए राजस्व दाल बनाकर इसी माह निराकरण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने समस्त एसडीएम, प्रभारी अधिकारी भू-अभिलेख और समस्त जनपद सीईओ को निर्देश दिये कि खसरा ई-केवायसी, खाद्यान पात्रता पर्ची ई-केवायसी, समग्र आईडी में ई-केवायसी के कैम्प प्रतिदिन लगाए जायें। जिसमे ग्राम सचिव, रोजगार सहायक अनिवार्य रूप से उपस्थिति रहेंगे। कलेक्टर ने आगामी वर्षा ॠतु को देखते हुए नाले, नालियों के सफाई कार्य की समीक्षा की। उन्होंने समस्त तहसीलदारों, आयुक्त नगर निगम और समस्त सीएमओ को बड़े नालों की सफाई कार्य कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अतिक्रमण हटवाने के लिये संबंधित तहसीलदारों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने विजयपुर से सेमई रोड़ निर्माण करने हेतु समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कार्यपालन यंत्री पीडब्लूडी ने बताया कि 15 मीटर की रोड़ बनाई जाना है। 10 दिन में भूमि सर्वे का कार्य पूर्ण करा लिया जायेगा, उसके बाद एसडीएम द्वारा भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही की जायेगी। ईको-सेन्सिटिव जोन बनाने हेतु वन विभाग के अधिकारियों की मीटिंग कराने के निर्देश प्रभारी अधिकारी भू-अभिलेख शाखा को दिए। ईको टूरिज्म मेप अगले सोमवार तक एसडीओ वन विभाग प्रस्तुत करेंगे। कलेक्टर ने समग्र आईडी में ई-केवायसी कार्य की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान सभी जनपद सीईओ को 10,000-10,000 का लक्ष्य दिया गया। आयुक्त नगर निगम को 10,000 का लक्ष्य दिया गया। सीएमओ जौरा को 1500 का लक्ष्य दिया गया। पिछले सप्ताह के लक्ष्य पूर्ण न होने के कारण सीएमओ सबलगढ का 03 दिन का वेतन काटने, सीएमओ झुण्डपुरा, कैलारस का 07-07 दिन का वेतन काटने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। सीएमओ कैलारस के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश एसडीएम सबलगढ को दिए। डुप्लीकेट समग्र आईडी का परीक्षण कर तत्काल डिलीट कराने के निर्देश समस्त जनपद सीईओ और सीएमओ को दिये। कलेक्टर ने छात्रवृत्ति सत्यापन कार्य की समीक्ष की। जिसमें पिछड़ा वर्ग कल्याण और अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण विभाग में लक्ष्य के अनुरूप कार्य न होने से प्राचार्य शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज मुरैना, प्राचार्य शासकीय कॉलेज जौरा, प्राचार्य, शासकीय कन्या महाविद्यालय मुरैना, प्राचार्य जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान मुरैना को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य विभाग की आयुष्मान योजना की समीक्षा की गई। मुरैना जिले की प्रदेश में 39वीं रैन्क है। 70 प्लस आयु के लोगों के आयुष्मान कार्ड बनवाने हेतु गांवो में लगाए जा रहे केम्पों में बनवाने के निर्देश सीएमएचओ को दिए गए। कलेक्टर द्वारा आगामी वर्षा ॠतु को देखते हुए समस्त निर्माण कार्यों के जिला अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि पुलिया, रपटा के दोनो तरफ चेतावनी के बोर्ड लगावें एवं आपदा प्रबंधन शाखा को जियोटेग फोटो सेन्ड करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर द्वारा सीएम हेल्पलाइन पोर्टल की समीक्षा की गई। मई माह की शिकायतों का 80 प्रतिशत और 50 दिवस की शिकायतों का 30 प्रतिशत निराकरण कराने के निर्देश समस्त विभाग प्रमुख एवं जिला अधिकारियों को दिए गए।

ग्राम रोजगार सहायको ने विभिन्न मांगो को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौपा

मुरैना,कांस। ग्राम रोजगार सहायको ने विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौपकर ग्रामीण सहायको पर अनैतिक तरीके से हो रही कार्यवाहियो को रोकने की मांग की है। कलेक्टर को सौपे गए ज्ञापन में रोजगार सहायको ने मांग की कि विगत 15 वर्षो से लम्बित मांगे जिसमें ग्राम रोजगार सहायको का पंचायत सहायक सचिव पद पर संविलियन कर पंचायत सचिवों की भांति जिला संवर्ग कर निश्चित ग्रेड पे प्रदान की जाए, दिवंगत रोजगार सहायको के परिजनो का अनुकम्पा नियुक्ति दी जाए, 25 अगस्त 2018 को सीएम हाउस में हुई महापंचायत में की गई घोषणा पर अमल किया जाए, वेतन मान एवं मानदेय राशि 30 तारीख तक प्रदान की जाए, पंचायत सचिवो की तरह वेतन भत्ता आदि दिया जाए, मनरेगा मांग आधारित योजना है इसे लक्ष्य आधारित मानकर केवल रोजगार सहायक को टारगेट कर मानसिक रूप से प्रताडित किया जा रहा है उसे बंद किया जाए, पंचायतो में रिक्त रोजगार सहायक की भर्ती हेतु जिला स्तर पर रोस्टर तैयार किया जाए तथा पंचायत सचिवो की तरह जिला स्तर पर नवीन भर्ती की जाए, महिला ग्राम रोजगार सहायको कस विवाह पश्चाद अथवा विधवा, तलाकशुद होने की स्थिति में उनका स्थानांतरण ऐसे जिले में अंतरजिला परिवर्तन किया जाए। ज्ञापन देने वालो में जिलाध्यक्ष उपेन्द्र सिंह तोमर के साथ अनेक ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित थे।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत मुरैना जिले में चयनित 18 ग्रामों में 15 से 30 जून तक लगेंगे शिविर

मुरैना,कांस। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत मुरैना जिले में चयनित 18 ग्रामों में आगामी 15 से 30 जून तक शिविर लगाये जायेगें। इसका उद्देश्य विभिन्न विभागों की महत्वाकांक्षी योजनाओं से शत-प्रतिशत लक्षित हितग्राहियों को लाभान्वित करना है। इनमें ऊर्जा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, खाद्य आपूर्ति, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, आयुष, विज्ञान एवं प्राद्योगिकी, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास, कृषि एवं किसान कल्याण और मत्स्य तथा पशुपालन एवं डेयरी विभाग सहित अन्य विभागों, मंत्रालयों की 25 योजनाओं की गतिविधियों का शत-प्रतिशत सेच्युरेशन किया जायेगा। इसमें प्रमुख रूप प्रधानमंत्री सड़क योजना, प्रधानमंत्री आवास, जल जीवन मिशन, गृह विद्युतीकरण, मोबाइल मेडीकल इकाई, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण-पत्र, समग्र आई.डी., प्रधानमंत्री उज्जवला गैस कनेक्शन, आधार कार्ड, राशन कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री जन-धन खाता, मातृ एवं शिशु कल्याण के लिए टीकाकरण जैसे लाभ शामिल है। आदिम जाति कल्याण विभाग के जिला संयोजक ने बताया कि इस अभियान में विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये समन्वय कर कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र एवं समग्र ई-केवाईसी आदि की सेवायें प्रदान की जायेगी, इसके अतिरिक्त विभागीय समन्वय और आंगनवाडी कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय स्वयं सेवकों की मदद से लाभार्थियों की पहचान कर वंचित वर्ग का चिन्हाकंन किया जायेगा एवं शिविर माध्यम से लाभ प्रदान किया जायेगा।

02 जून से मुरैना जिले में स्वस्थ यकृत (लीवर) मिशन की शुरूआत

मुरैना,कांस। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पदमेश उपाध्याय के मार्गदर्शन में 02 जून से मुरैना जिले में स्वस्थ यकृत (लीवर) मिशन की शुरूआत हो गई है। स्वस्थ यकृत (लीवर) निशन की शुरूआत जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओ पर नॉन-अल्कोहल फेटी लीवर डिसीज के मरीजों की पहछान के लिये यह अभियान चलाया जा रहा है। आज हमारे देश में हर तीन वयस्को में से एक फैटी लीवर से व्यक्ति पीड़ित है। मोटापा, मधुमेह एवं ज्यादातर बेठे रहने के कारण यह डिसीज हो जाती है। अब इस मिशन का उद्देश्य है कि 30 से 35 वर्ष आयु के लाभार्थियों में यकृत संबधी जोखिम की शीघ्र पहचान, लाइन लीस्टिंग पारामर्श उचित रेफरल सुनिश्चित करना है। अभियान के दौरान सीएचओ, एएनएम, आशा द्वारा घर-घर जाकर स्क्रीनिंग करना एवं सभी उप स्वास्थ्य केन्द्र एवं पीएचसी एवं सिविल अस्पताल और जिला चिकित्सालय में उपचार हेतु आने वाले 30 से 35 वर्ष के बच्चो की स्क्रीनिंग की जायेगी। यदि जोखिम वर्ग में आते है तो उन्हे रेफर किया जायेगा। लोगो की स्क्रीनिंग में जेसे पुरुषों में 90 सेंटी मीटर अधिक कमर का माप और महिलाओ में 80 सेंटी मीटर अधिक कमर का माप, 23 या उसके अधिक बीएमआई वाले चिन्हित व्यक्तियां की जॉच एवं टेस्ट कराया जायेगा और मरीजां की स्क्रीनिंग के बाद उपचार किया जायेगा।

अ.भा. विद्यार्थी परिषद ने एल एल एम के कोर्स को शुरू करने ज्ञापन सौपा

मुरैना,कांस। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मुरैना द्वारा शासकीय विधी महाविद्यालय मुरैना में LLM के कोर्स को शुरू करने के लिए अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा के नाम से विधि महाविद्यालय प्राचार्य को ज्ञापन दिया जिसमें विधि के विद्यार्थियों को मुरैना में ही स्नातकोत्तर की शिक्षा प्राप्त हो सके, साथ ही सत्यादित्य तोमर ने कहा की वर्तमान में शासकीय विधी महाविद्यालय मुरैना में उच्चतर शिक्षा की उपलब्धता न होने के कारण विधि के छात्रों को स्नाकोत्तर की शिक्षा के लिए बाहर जाना पड़ता है, जिससे अधिकतम विद्यार्थी उच्चतर कोर्स करने से वंचित रह जाते हैं जो की दुर्भाग्यपूर्ण है मुरैना जिले में विधि महाविद्यालय स्थापित है चंबल संभाग में एक भी विधि महाविद्यालय में उच्चतर शिक्षा LLM उपलब्ध नहीं है जबकि मुरैना में कुछ वर्ष पूर्वी विधि महाविद्यालय का नवीन भवन बना है जिसमें पूर्ण सुविधाएं हैं, विधि के छात्रों को उचित शिक्षा के लिए मजबूरन बाहर जाना पड़ता है और कुछ विद्यार्थी बाहर जाने में असमर्थ होते हैं जिससे वह उच्चतर शिक्षा से वंचित रह जाता है साथ ही अब आप मुरैना ने कहा कि छात्रा के सर्वांगीण विकास के लिए स्नाकोत्तर का पाठ्यक्रम प्रारंभ होना अति आवश्यक है जिससे मुरैना जिले के समस्त विधि के छात्रों को लाभ मिलेगा।

साथ ही विधि महाविद्यालय नए मुकाम हासिल करेगा। विद्यार्थी परिषद हमेशा छात्र हित के लिए कार्य करता है।प्रतिनिधि मंडल से सचिन शर्मा अजय तोमर कपिल भारद्वाज सचिन तिवारी श्रीराम उपाध्याय आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

22 पेटी अवैध शराब पकडी

मुरैना। देवगढ थाना पुलिस ने क्षेत्र में बिक रही अवैध शराब को जप्त कर मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार थाना पुलिस को सूचना मिली कि तिलावली में अवैध शराब का कारोबार चल रहा है। इस सूचना पर से पुलिस ने दविश देकर आरोपी शत्रुघन सिकरवार पुत्र भवर सिंह के घर के कमरे से जिसमें भूरा भरा हुआ था से 22 पेटी देशी मदिरा मशाला जप्त कर आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है।

1857 की क्रांति की मशाल जलाने वाले सतपुड़ा के पराक्रमी सपूत भभूत सिंह

के अमर बलिदान और शौर्य को समर्पित

उनकी कर्मस्थली में

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद की बैठक

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

3 जून, 2025 | अपराह्न 2:00 बजे | राजभवन, पचमढ़ी

"पचमढ़ी नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध और प्रदेश का सर्वाधिक आकर्षक पहाड़ी पर्यटन स्थल होने के साथ अतीत में आदिवासी समाज के बलिदान की दृष्टि से एक प्रमुख स्थल रहा है। तात्या टोपे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर राजा भभूत सिंह ने आज़ादी की जंग में वीरता का प्रदर्शन किया। भभूत सिंह में शिवाजी महाराज की छवि दिखायी देती थी। उनके बलिदान को स्मरण करते हुए पचमढ़ी में मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद की बैठक का आयोजन राजा भभूत सिंह के गौरवशाली योगदान को जनमानस के समक्ष लाने का प्रयास है।"

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

जनजातीय संस्कृति के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध मध्यप्रदेश

- प्रदेश के 89 जनजातीय बहुल विकासखंडों में पेसा नियम लागू
- जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए धरती-आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से जनजातीय समुदाय के सामाजिक, आर्थिक उत्थान एवं मूलभूत सुविधाओं के विकास को मिल रही है गति
- जनजातीय बहुल दूरस्थ क्षेत्रों के 21 जिलों में पीएम जन-मन योजना अंतर्गत 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित
- मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना से सीधे जनजातीय ग्रामों तक पहुंच रहा राशन। स्थानीय जनजातीय युवाओं को मिल रहा रोज़गार
- विशेष पिछड़ी जनजाति युवाओं को सेना, अर्द्ध-सैनिक बलों और पुलिस सेवाओं में भर्ती के लिए प्रशिक्षण हेतु जनजातीय बटालियन का गठन
- तेंदूपत्ता संग्रहण का पारिश्रमिक ₹ 3000 से बढ़ाकर ₹ 4000 प्रति बोरा किया गया
- शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए 63 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, 82 आवासीय कन्या परिसर एवं 8 आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित

D-11036/25

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

आरओ ... म.प्र. माध्यम/2025
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी